Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 85 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शनिवार 14 सितंबर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

दया धर्म को याद रखने वाले का हमेशा भला ही होता है।

Religion of mercy is priceless.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस : मुख्यमंत्री ने दूसरे दिन की प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा

अपराधियों के मन में कानून का भय हो, पीड़ितों को त्वरित मिले न्याय : सीएम विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री ने कहा- हमारी सरकार सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि अपराधियों के मन में कानून का भय हो, पीड़ितों को त्वरित न्याय मिले। आम जनता में पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास कायम रहे। बेवजह किसी नागरिक को परेशान न किया जाए। पुलिस का व्यवहार आम नागरिकों के साथ मित्रवत हो। पुलिस थानों का वातावरण ऐसा हो कि आम नागरिक को पुलिस थानों में प्रवेश करते समय सहयोग की उम्मीद हो। वे आज राजधानी के न्यू-सर्किट हाउस में कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश में अपराध पर नियंत्रण के लिए कलेक्टर एवं एसपी आपसी समन्वय स्थापित करते हुए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने दंड संहिता को बदल कर न्याय संहिता कर दिया है। इसका जमीनी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए पुलिस को इन नए कानूनों के अनुरूप कार्य करने के लिए स्वयं को ढालना होगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है, और पिछले वर्षों की तुलना में अपराध की संख्या में कमी आई है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य में नए सिरे से सोशल पुलिसिंग को बढ़ावा दिए जाने की जरूरत है, इससे अपराधों को रोकने में मदद मिलेगी। लोगों को जागरूक करना और उन्हें इस बात का भरोसा दिलाना होगा कि पुलिस उनके साथ है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य में गौ-तस्करी व नशाखोरी एक बहुत बड़ी समस्या है, इस पर कड़ाई से नियंत्रण सुनिश्चित करते हुए ऐसे मामलों में एंड टू एंड कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के परिवहन एवं बिक्री, जुआ, सट्टा एवं गांजा की तस्करी को रोकने के लिए अभियान चलाकर दोषियों पर विधिसम्मत कार्यवाही सुनिश्चित करें। समाज में अशांति फैलाने वालों, अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखें और उनके खिलाफ त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करें। हत्या जैसे मामले में कार्रवाई में देरी नहीं होनी चाहिए तथा ऐसे केस में प्राथमिकता से त्वरित गति से कार्यवाही सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला बदर और प्रतिबंधात्मक कार्रवाई रुकनी नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधात्मक मामलों में देरी न हो और जिला बदर की कार्रवाई केवल कागजों पर ना हो बल्कि वास्तव में हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध शराब बिक्री की बहुत शिकायत है, जिसमें पुलिस पर संरक्षण के आरोप लगते है, यह बिलकुल नहीं होना चाहिए।

भूमाफियों पर रखें कड़ी नजर

मुख्यमंत्री साय ने रायपुर रेंज की समीक्षा करते हुए राजधानी में पुलिसिंग की गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि रायपुर प्रदेश की राजधानी है और यहां की पुलिसिंग का सर्वोत्तम स्तर पर होना अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने रायपुर में भूमाफियाओं द्वारा शासकीय और आम नागरिकों की जमीन पर कब्जे की शिकायतों पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पुलिस और राजस्व विभाग मिलकर इस समस्या पर कड़ी नजर रखें और तुरंत कार्रवाई करें।

नशे के खिलाफ अभियान चलाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशीली दवाइयों की बिक्री पर तत्काल सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस को इस अवैध व्यापार के इकोसिस्टम को तोड़ना होगा और अपराध की जड़ तक पहुंचकर इसे समाप्त करना होगा। उन्होंने कहा कि रायपुर में स्कूल और कॉलेजों में नशे के खिलाफ व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाने की आवश्यकता है, ताकि युवाओं को इस घातक प्रवृत्ति से बचाया जा सके।

राजधानी में रात्रि गश्त करें

मुख्यमंत्री ने राजधानी में रात की गश्त को और प्रभावी बनाने की जरूरत पर जोर देते हुए पुलिस पेट्रोलिंग को लगातार जारी रखने और संगठित अपराधों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कहा कि वे योजना बनाकर अपराध और अपराधियों के खिलाफ निरंतर अभियान चलाएं ताकि अपराध पर काबू पाया जा सके और कानून व्यवस्था की स्थिति बेहतर हो सके।

वेस्ट यूपी में 48 घंटे से बारिश, गंगा नदी उफान पर

मेरठ (आरएनएस)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पिछले चार दिनों से लगातार पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों में हो रही बारिश से गंगा नदी एक बार फिर उफान पर आ गई है। हस्तिनापुर में गंगा का जल स्तर बढ़ने से खादर क्षेत्र के दर्जनों गांव के लोग भयभीत हो रहे हैं। वही गांव के संपर्क मार्गो पर आवागमन में भी ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं लगातार बारिश होने के बाद से कालागढ़ में वन्य जीव आबादी में पहुंचने लगे हैं। पिछले करीब एक महीने से गंगा नदी का जल स्तर कम होने से वह शांत स्वभाव में चल रही थी। ग्रामीणों को भी बाढ़ का खतरा नहीं था और उम्मीद जताई जा रही थी कि खेतों में खड़ी बंपर फसल का अच्छा उत्पादन होगा लेकिन पिछले चार दिनों से अचानक मौसम में आए बदलाव के कारण

केन्द्र सरकार ने अण्डमान व निकोबार की राजधानी पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलकर श्री विजया पुरम किया

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह की राजधानी पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलकर श्री विजया पुरम कर दिया है। यह कदम देश की सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक धरोहर को सम्मान देने के उद्देश्य से उठाया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट किया, राष्ट्र को औपनिवेशिक छापों से मुक्त करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, आज हमने पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलकर श्री विजया पुरम करने का फैसला किया है। हालांकि पहले के नाम में औपनिवेशिक विरासत थी, लेकिन श्री विजया पुरम हमारे स्वतंत्रता संग्राम में मिली जीत और उसमें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की अद्वितीय भूमिका का प्रतीक है।

शाह ने ट्वीट जार बताया देश को गुलामी के सभी प्रतीकों से मुक्ति दिलाने के प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प से प्रेरित होकर आज गृह मंत्रालय ने पोर्ट ब्लेयर का नाम 'श्री विजयपुरम' करने का निर्णय लिया है। श्री विजयपुरम' नाम हमारे स्वाधीनता के संघर्ष और इसमें अंडमान और निकोबार के योगदान को दर्शाता है।

इस द्वीप का हमारे देश की स्वाधीनता और इतिहास में अद्वितीय स्थान रहा है। चोल साम्राज्य में नौसेना अड्डे की भूमिका निभाने वाला यह द्वीप आज देश की सुरक्षा और विकास को गति देने के लिए तैयार है। यह द्वीप नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी द्वारा सबसे पहले तिरंगा फहराने से लेकर सेलुलर जेल में वीर सावरकर व अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के द्वारा माँ भारती की स्वाधीनता के लिए संघर्ष का स्थान भी है।

चीन के साथ सैनिकों की वापसी से संबंधित 75 फीसदी मुद्दे सुलझे : एस. जयशंकर

सीमा वार्ता के बाद देश के विदेश मंत्री का बड़ा बयान

नई दिल्ली (आरएनएस)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन के साथ हुई सीमा वार्ता पर बड़ा बयान दिया है। विदेश मंत्री ने कहा कि बीजिंग के साथ खासतौर से सैनिकों की वापसी से संबंधित तकरीबन 75 फीसदी समस्याएं सुलझ गई हैं, हालांकि, दोनों देशों को अभी भी कुछ काम करने हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि हमारे बीच अतीत में आसान संबंध नहीं रहे हैं। 2020 में जो हुआ वह कई समझौतों का उल्लंघन था, चीन ने बड़ी संख्या में सैनिकों को वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भेज दिया। हमने, जवाब में, अपने सैनिकों को ऊपर भेज दिया। चीन के साथ सीमा वार्ता में कुछ प्रगति हुई है।

जयशंकर ने गुरुवार को जिनेवा सेंटर फॉर सिक्योरिटी पॉलिसी में राजदूत जीन-डेविड लेविटे के साथ अपनी बातचीत के दौरान कहा कि पूर्वी लद्दाख में सीमा मुद्दे पर सैनिकों की वापसी से संबंधित मुद्दे लगभग 75 प्रतिशत तक सुलझ गए हैं लेकिन बड़ा मुद्दा सीमा पर बढ़ते सैन्यीकरण का है। उन्होंने आगे कहा, अगर सैनिकों की वापसी का कोई समाधान है और शांति तथा स्थिरता की वापसी होती है, तो हम अन्य संभावनाओं पर विचार कर सकते हैं। यह सबसे अहम मुद्दा है। जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के बीच अतीत में मुश्किल रिश्ते रहे हैं। उन्होंने 2020 के बारे में भी बात की जब भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच गलवान घाटी में झड़प हुई थी। जयशंकर ने कहा कि जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों ने भारत-चीन संबंधों को प्रभावित किया है, उन्होंने जोर देकर कहा कि सीमा पर हिंसा होने के बाद यह नहीं कहा जा सकता कि बाकी संबंध इससे अछूते हैं।

डिप्टी सीएम अरुण साव ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र संघ मुख्यालय का किया भ्रमण

साव ने अमेरिका में विकसित छत्तीसगढ़ के बारे में रखे अपने विचार

रायपुर (विश्व परिवार)। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र संघ मुख्यालय का किया भ्रमणछत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने अमेरिका के अपने अध्ययन प्रवास के दौरान गुरुवार को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्यालय का भ्रमण किया। उन्होंने वहां संयुक्त राष्ट्र संघ के सामान्य सभा कक्ष, सुरक्षा समिति कक्ष इत्यादि जगहों का भ्रमण कर संघ की कार्यप्रणाली को समझा। अध्ययन दौरे पर साथ गए लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह भी इस दौरान उनके साथ थे। श्री साव संयुक्त राष्ट्र संघ मुख्यालय में मुख्य वित्त अधिकारी श्री आनंद पाण्डेय के आमंत्रण पर वहां गए थे। श्री पाण्डेय मूलत: बिलासपुर जिले के बेलसरी (तखतपुर) के निवासी हैं। श्री साव ने संयुक्त राष्ट्र संघ मुख्यालय के भ्रमण के बाद कहा कि दुनिया के इतने महत्वपूर्ण कार्यालय में बिलासपुर के बेलसरी का बेटा मुख्य वित्त अधिकारी के गरिमामय पद पर कार्यरत हैं। यह पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव न्यूजर्सी के रॉयल एल्बर्ट्स पैलेस में भारतीय मूल के लोगों द्वारा अपने सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में भी शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ और देश के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों के साथ ही छत्तीसगढ़ की संस्कृति, पर्यटन, पौराणिक मान्यताओं, संसाधनों और यहां के सीधे-सरल लोगों के बारे में बताया। उन्होंने विकसित छत्तीसगढ़ के बारे में अपने विचार भी रखे।

हरियाणा चुनाव के लिए भाजपा के स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी

पीएम मोदी, नड्डा, शाह, राजनाथ और गडकरी सहित 40 नेताओं के नाम

नई दिल्ली (आरएनएस)। भाजपा ने हरियाणा में होने वाले विधानसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए अपने 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मनोहर लाल खट्टर, शिवराज सिंह चौहान, धर्मेंद्र प्रधान ,पीयूष गोयल, अर्जुन राम मेघवाल, हरदीप सिंह पुरी, राव इंद्रजीत सिंह और कृष्णपाल गुर्जर सहित कई केंद्रीय मंत्रियों को इस लिस्ट में शामिल किया गया है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और हरियाणा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बडौली के साथ ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा, राजस्थान के सीएम भजन लाल शर्मा, मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी को भी भाजपा ने स्टार प्रचारक बनाया है। पार्टी ने राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, स्मृति ईरानी एवं संजीव बालियान, राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे सिंधिया आदि को भी 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शामिल किया है।

दिल्ली शराब नीति मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को मिली जमानत

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली शराब नीति मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत मिल गई है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस भुइंया दोनों ने केजरीवाल को जमानत दी। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई के केस में उन्हें ये जमानत दी है। केजरीवाल को 10 लाख के बॉन्ड पर जमानत मिली है। केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में दो याचिकाएं दायर की थीं। पहली जमानत याचिका और दूसरी सीबीआई द्वारा की गई गिरफ्तारी और रिमांड को चुनौती दी गई थी।

ईडी के केस में केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से पहले ही जमानत मिल चुकी है जबकि यह मामला सीबीआई की ओर से की गई गिरफ्तारी और रेगुलर बेल से जुड़ा था। ईडी मामले में केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से 12 जुलाई को जमानत मिली थी। वहीं, अब सीबीआई केस में भी सर्वोच्च न्यायालय से केजरीवाल को जमानत दे दी है। ईडी केस में अंतरिम जमानत मिलने के बाद सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल 26 जून को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था। सुप्रीम कोर्ट 5 सितंबर को केजरीवाल की जमानत याचिका पर फैसला 5 सितंबर को सुरक्षित रखा था। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। केजरीवाल को ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार गिरफ्तार किया। 10 दिन की पूछताछ के बाद 1 अप्रैल को तिहाड़ जेल भेजा गया। 10 मई को 21 दिन के लिए आम चुनाव में प्रचार के लिए रिहा किया गया। ये रिहाई 51 दिन जेल में रहने के बाद मिली थी। सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल की एक जून तक की रिहाई मंजूर की थी। 2 जून को केजरीवाल ने तिहाड़ जेल में सरेंडर कर दिया था। आज यानी 13 सितंबर को केजरीवाल की रिहाई होती है तो कुल जेल गए 177 दिन हो जाएंगे।

उठावना

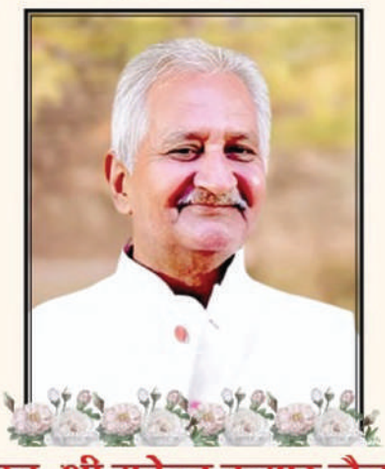

स्व. श्री महेन्द्र कुमार जैन

मेरे बड़े भैया श्री महेन्द्र कुमार जी जैन, उम्र 78 वर्ष, का देवलोक गमन 12 सितंबर 2024 को हो गया था।

जिसका उठावना शनिवार दिनांक 14 सितंबर 2024 को श्री दिगम्बर जैन मंदिर ,मालवीय रोड में दोपहर 3 बजे रखा गया है ।

-: शोकाकुल परिवार :-

सनत जैन, अनिल जैन (भाई), मनोज जैन, मनीष जैन (पुत्र)

रोमिल जैन(भतीजा) एवं समस्त पांड़े जैन परिवार

फर्म :- ■ नरेन्द्र बैंगल स्टोर ■ अशोक बैंगल्स ■ अक्षय क्रिएशन ■ मीना ज्वेलर्स ■ 6TH GEAR - रॉयल एनफील्ड ■ दक्ष हेल्थकेयर ■ सियाराम डेवलपर्स ■ UNI EQUIP INDUSTRIES

बंजारी रोड रायपुर, 9893000030, 9827155300

जैन संस्कार महोत्सव

दसलक्षण महापर्व के पावन पुनीत अवसर पर संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महराज के परम शिष्य नवाचार्य 108 समय सागरजी महाराज के मंगल आशीर्वाद से आदरणीय बा. ब्रह्मचारी संदीप जी 'सरल' संस्थापक श्रुतधाम बीना के मार्गदर्शन में आयोजन किया जा रहा है।

08 वर्ष से 30 वर्ष (अविवाहित) तक की आयु वाले बालक बालिकाओं को आगम विधि अनुसार जैन संस्कार की दीक्षा विधि में सप्त व्यसन, त्याग, अष्ट मूलगुण का बीजारोपण करके जैन बनाया जाएगा, अत: आप सभी अपने बालक बालिकाओं को लेकर स्वयं पधारे और दूसरों को प्रेरित कर पुण्य लाभ लेवे।

दिनांक : 15/09/2024, रविवार

समय : प्रात: 8 बजे से 10 बजे

स्थान : विद्यासागर हॉल दिगंबर जैन मंदिर, मालवीय रोड, रायपुर

ताड़पत्र हस्तलिखित ग्रन्थों की भव्य प्रदर्शनी

रायपुर शहर के इतिहास में प्रथम बार अनेकान्त ज्ञान मंदिर श्रुतधाम बीना (म.प्र.) द्वारा ताड़पत्र हस्तलिखित, स्वर्गपत्रों पर अंकित लगभग 1300 वर्ष प्राचीन बहुमूल्य ग्रन्थों का दो दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है।

प्रदर्शनी के आकर्षण -

1) पोस्ट कार्ड पर तत्वार्थ सूत्र ग्रन्थ के दस अध्याय।
2) पोस्ट कार्ड पर भक्तामर स्तोत्र के 48 काव्य।
3) 20 फुट लम्बे कागज पर चौबीस ठाणा ग्रन्थ।
4) विश्व की एक मात्र दुर्लभकृति काष्ठफलक पर लिपिबद्ध देवनागरी लिपि में वर्णमाला।
5) दर्शनीय श्रीफल जिनालय। 6) स्वर्णलिखित भक्तामर स्तोत्र।
7) आमंत्रण पाती इत्यादि। 8) हस्तलिखित समयसार ग्रन्थ।
9) ऐरावत हाथी, जम्बूद्वीप, ढाईद्वीप आदि के प्राचीन चित्र।

प्रदर्शनी स्थल : विद्यासागर हॉल, श्री आदिनाथ जिनालय, मालवीय रोड, रायपुर

प्रदर्शनी का शुभारंभ : दिनांक 14 सितंबर 2024, प्रात: 9.00 बजे

प्रदर्शनी का समय : प्रात: 8 बजे से 10 बजे तक

मध्यान्ह : 3 से 5 बजे तक, सायं : 7 से 9 बजे तक

अध्यक्ष यशवंत जैन 9425505557 / 8770548128

सचिव सुजित जैन 9826340990

कोषाध्यक्ष दिलीप जैन 9827490031

आयोजक

श्री दिगम्बर जैन पंचायत ट्रस्ट, कार्यकारणी, सदस्यगण, महिला मंडल, मालवीय रोड रायपुर

श्री मालवीय रोड बड़े मंदिर जी में उत्तम संयम धर्म उल्लासपूर्वक मनाया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के दिगंबर जैन पंचायत बड़े मंदिर मालवीय रोड़ में आदिनाथ जिनालय में पर्युष्ण पर्व के छटवे दिन 13/09/2024 उत्तम संयम बड़े ही धूमधाम से मनाया गया ट्रस्ट के मैनेजिग ट्रस्ट्री नरेंद्र जैन,अध्यक्ष –यशवंत जैन,सचिव– सुजीत जैन, कोषाध्यक्ष–दिलीप जैन ने बताया भाद्रपद शुक्ल दसमी उत्तम संयम के दिन प्रमुख प्रथम चार कलश के लाभार्थी सौधर्म इंद्र – श्री धीरज जैन, ईशान इंद्र – श्री ऋषि जैन,सनत इंद् –श्री मुकेश जैन,महेंद्र इंद्र –श्री विवेक जैन,शान्ति धारा के लाभार्थी –श्री चंद्रकान्त विमला, लोकेश चंचल,ऋषभ मीनाक्षी, नैतिक, प्रकृति, रक्षित जैन परिवार ,द्वितीय शांतिधाराकर्ता समस्त उपवास कर्ता ने बा. ब्र .संदीप भईया सरल के सानिध्य में दसलक्षण विधान भी किया जा रहा है जिसमें छटवा दिन के लाभार्थी श्रीमति अनिता धर्मेन्द्र जैन दस दिवसीय –भोजनशाला में आज के लाभार्थी श्री प्रकाशजी आया जैन पंडरी एवम श्री आशीष जी सपना जैन परिवार चिरमिरी/रायपुर बने । प्रतिदिन दोपहर 3 बजे एवं रात्रि 8 बजे विद्यासागर हॉल में बा.ब्र. संदीप सरल भैया जी (बीना)द्वारा जैन धर्म क्या है , जिनधर्म प्रवेश ,अनेकात स्वायद्वाद पर प्रवचन किया जा रहा है साय कालीन आरती के लिए सुप्रसिद्ध संगीतकार श्रुति जैन एंड टीम जबलपुर के द्वारा करवाई जाती है सांस्कृतिक कार्यक्रम की श्रृंखला में सोलह श्रृंगार श्री दिंगबर जैन महिला मंडल रायपुर के द्वारा प्रस्तुति जाएगी , सभी लोगों उपस्थित होकर धर्म लाभ लिया । कल उत्तम तप धर्म मनाया जाएगा*

चरौदा में बच्चों ने नुक्कड़ नाटक कर दिया स्वच्छता का संदेश

आरंग (विश्व परिवार)। स्वच्छता पखवाड़ा के तहत् शुक्रवार को शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चरौदा में बच्चों ने स्वच्छता संबंधी नुक्कड़ नाटक कर स्वच्छता का संदेश दिया।शिक्षकों ने बताया नुक्कड़ नाटक को लेकर बच्चे काफी उत्साहित नजर आए। बच्चों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। वहीं नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में कक्षा सातवीं की छात्र छात्राएं प्रथम, छठवीं की छात्रा छात्राएं द्वितीय तथा कक्षा आठवीं के बच्चे तृतीय स्थान पर रहे। विजेता टीम को नगद राशि भेंटकर कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर स्वच्छता पर नारा लेखन प्रतियोगिता भी रखा गया जिसमें बच्चों ने बढ़–चढ़कर भाग लेते हुए स्वच्छता पर एक से बढ़कर एक नारा लेखन किया।

NAVA RAIPUR ATAL NAGAR VIKAS PRADHIKARAN
Paryavas Bhawan, North Block, Sector-19, Nava Raipur Atal Nagar, Dist Raipur - 492 002, Chhattisgarh.
Tel No: +91 771 2512500; Fax No.: +91 771 2512400.
Website : www.navaraipuratalnagar.com, http://eproc.cgstate.gov.in

E-Procurement Tender Notice

The Chief Executive Officer, NRANVP invites item rate tender for the following works

NIT No: 31/4(3)/ SOA-CH/EEC-I/CE/NRANVP/2024-25 Nava Raipur Atal Nagar Dated: 13.092024

Name of Work: "Construction with Interior Finishes of State of the Art Conference Hall at 5th Floor Manatralaya Mahanadi Bhawan at Sector-19 Nava Raipur Atal Nagar, Dist-Raipur (C.C.)

Estimated cost: INR **11.58 Crs.,** EMD: INR **12,58,000/-** Period of Completion: 12 Months

Last Time & Date of Online Submission: 15:00hrs on 04.10.2024

The E-Procurement tender documents can be downloaded from the portal (Website) **http://eproc.cgstate.gov**.in directly and shall be submitted online on the same website only after making on payment of bid participation fees online.

Amendment in tender, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper.

Chief Engineer (Engg.)
NRANVP

SAMVAD- 41446/ 3

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./14532/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 13-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14532
वार्ड का नाम-43-महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 43 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR662L0055A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **GENDLAL BARAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUKHRU BARAI** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती PURNIMA DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KAMLESH DEWANGAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./14533/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 13-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14533
वार्ड का नाम-43-महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 43 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR662L0055C** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **ROSHAN LAL PANSARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. JUGNU PANSARI** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती PURNIMA DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KAMLESH DEWANGAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर जोन क्रमांक-5

निविदा आमंत्रण सूचना

क्र. 610/जोन क्र. 5/ जोन क्र. 5/ लो. क. वि./2024 — रायपुर, दिनांक 12.09.2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत 'द' से प्रवर श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नांकित कार्यों हेतु सीलबंद निविदायें तीन लिफाफा पद्धति में दिनांक 04.10.24 तक को 4:00 बजे तक स्पीड पोस्ट के माध्यम से नगर पालिक निगम जोन कार्यालय क्रमांक 5 में आमंत्रित की जाती है। इस हेतु निविदा प्रपत्र प्राप्त करने के लिये दिनांक 25.09.24 तक आवेदन के साथ निर्धारित निविदा प्रपत्र की राशि जमा करने के पश्चात् प्राप्त किये जा सकेंगे। दिनांक 28.09. 24 तक निविदा प्रपत्र जारी होंगे। प्राप्त निविदाये दिनांक 04.10.24 को सांय 05:00 बजे खोली जावेगी।

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कन राशि (लाख में)	अमानत राशि (रूपये)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य की अवधि	एस.ओ.आर. नॉन एस.ओ.आर.
1.	जोन क. 05 अंतर्गत वार्डों के खराब हैण्ड पंप निकालकर सुधार पश्चात पुन: डालने को कार्य।	3.98	6000/-	750/-	2 माह	NON SOR
2.	जोन क. 05 अंतर्गत वार्ड क. 66.67.68 व 40 खराब पावर पंप निकालकर सुधार कर पुन: डालने का 2 कार्य।	3.974	6000/-	750/-	2 माह	NON SOR
3.	जोन क. 05 अंतर्गत वार्डो में फसे पावर पंप निकालकर पुन: पंप डालने का कार्य।	3.969	6000/-	750/-	2 माह	NON SOR
4.	जोन क. 5 अंतर्गत वार्डो में खराब पावर पंप निकालकर सुधार कर पुन: डालने का कार्य।	3.974	6000/-	750/-	2 माह	NON SOR

शर्ते :-

1 निविदा के दस्तावेज रजिस्टर्ड पोस्ट / स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रस्तुत करना होगा।
2 कार्य से संबंधित अन्य जानकारी एवं शर्ते कार्यालयीन दिवस में नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 5 कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
3 तीन वर्ष के आयकर की बाध्यता नए फर्मों के लिए बाध्यकारी नहीं होगी।

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक- 5
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./14355/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 12-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14355
वार्ड का नाम-10-रानी लक्ष्मी बाई वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227R00178** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAMKALI BAI** पिता/पति श्री/श्रीमती **SITARAM YADAV** केनाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1 MADHAO PRASAD 2. VIJAY KUMAR KHARE 3. PRADEEP KUMAR SAHU** पिता/पति श्री/श्रीमती **1. SW. MOTI LAL SAHU 2. SW. RAMKISHAN KHARE 3. GANESH RAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनामा**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./14356/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 12-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14356
वार्ड का नाम-29-गुरू गोविंद सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 29 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR330F0342D** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SALMA BEGAM** पिता/पति श्री/श्रीमती **MOHAMMAD SALMAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SAIBAZ KHAN** पिता/पति श्री/श्रीमती **MUSTAK KHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./14359/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 12-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14359
वार्ड का नाम-29-गुरू गोविंद सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 29 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR334E00160** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MR. JAGANNATH NAYAK** पिता/पति श्री/श्रीमती **PRATAP NAYAK** केनाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. HEMLATA NAYAK 2. NAVDURGESH NAYAK** पिता/पति श्री/श्रीमती **1. JAGANNATH NAYAK 2 JAGANNATH NAYAK** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र एवं मृत्यु प्रमाणपत्र**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./14371/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 12-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14371
वार्ड का नाम-10-रानी लक्ष्मी बाई वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227L0483B** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. AFSANA KHAN** पिता/पति श्री/श्रीमती **MOHAMMAD AKHTAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SAIF KHAN** पिता/पति श्री/श्रीमती **MUSATAK KHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा टाटीबंध कालोनी, रायपुर में निर्मित द्वारा भवन योजना के अतंर्गत भवनों में से भवन क्रमांक **एल.आई.जी.-II/759** में **श्रीमती जसविन्दर कौर पति श्री राजेन्दर सिंग** को भाडाक्रय स्ववित्तीय आधार पर आबटित / नामांतरित किया गया है, उनके द्वारा दिनाक 13.03.1999 को विक्रय विलेख पंजीकृत करा लिया गया एवं इस कार्यालय के पत्र के 7249 दिनांक 29.06.2010 विक्रय अनुमति जारी किया गया।

नवीन क्रेता **श्रीमती प्रकाश कौर पति स्व. श्री गुरुबक्श सिंग** की नामांतरण पूर्व ही दिनाक 09.06.2020 को व उनके पति की मृत्यु दिनाक 20.06.2018 हो जाने कारण उनके पुत्र **श्री दर्शन सिंग पिता स्व. श्री गुरुबक्श सिंग** द्वारा उक्त भवन अपने नाम पर नामातरण करने हेतु आवेदन पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र शपथ पत्र/सहमति पत्र **1. श्रीमती दर्शन कौर 2. सुश्री प्रभजीत कौर 3 सुश्री हरसिमरन कौर** एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन **श्री दर्शन सिंग पिता स्व. श्री गुरुबक्श सिंग** के नाम पर नामातरण किया जाना है।

किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय सस्था इत्यादि को उक्त भवन के नामातरण के सबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो, तो इस कार्यालय में लिखित्त रूप से प्रमाणित दस्तावज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करे। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./14534/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 13-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14534
वार्ड का नाम-43-महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 43 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR662L00055** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SOHADRA BAI, KOMAL CHAND BARAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. SHIV PRASAD BARAI** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती PURNIMA DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KAMLESH DEWANGAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./14536/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 13-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14536
वार्ड का नाम-68-खूबचंद बघेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 68 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR567H00182** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **NANDLAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JIVANATH DEWANGAN** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती KAMAL KUMAR DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NAND LAL DEWANGAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./14537/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 13-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14537
वार्ड का नाम-67-भक्तमाता कर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 67 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR567K00053** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RANJANA THAKRE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GAJANAND THAKRE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NAJUL TAKESHWARI SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NARENDRA SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./14437/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 12-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14437
वार्ड का नाम-30-शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331G00169** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **B.S. SAHNI** पिता/पति श्री/श्रीमती **SARDAR KAKIR SINGH SAHNI** केनाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **P.S. SAWHNEY** पिता/पति श्री/श्रीमती **B.S. SAWHNEY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि दीनदयाल आवास योजनांतर्गत सड्डू, रायपुर में स्थित एल.आई.जी. भवन कमांक-164. **श्रीमती मिथला ठाकुर पति श्री मथुरा सिंह ठाकुर** के नाम से आबंटित है, आबंटी द्वारा उक्त भवन की लीजडीड दिनांक 27/04/2006 पंजीकृत कराने के उपरांत भवन की पूर्ण राशि जमा कर आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया था, वर्तमान में आबंटी **श्रीमती मिथला ठाकुर पति श्री मथुरा सिंह ठाकुर** के द्वारा उक्त भवन को अपने परिवर्तित नाम **श्रीमती मिथला सिंह पति श्री मथुरा सिंह ठाकुर निवासी ग्राम अंधियारखोर तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा (छ.ग.)** के नाम पर फ्री-होल्ड करने हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र, आधार कार्ड, मतदाता परिचय, बैंक पासबुक एवं लीजडीड की छायाप्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रकरण में **श्रीमती मिथला ठाकुर पति श्री मथुरा सिंह ठाकुर** के स्थान पर **श्रीमती मिथला सिंह पति श्री मथुरा सिंह** के नाम से फ्री-होल्ड की आगामी कार्यवाही किया जाना है।

अत: उक्त भवन के सरनेम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कॉलोनी बोरियाकला, जिला-रायपुर में निर्मित दीनदयाल आवास योजनांतर्गत **एल.आई.जी. फ्लैट क्रमांक-721 ब्लॉक-46, भू-तल श्रीमती सपना महतो पति श्री दिनेश कुमार महतो निवासी :- म. न. बनयान 118, छ.ग. हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी बोरियाकला रायपुर तह व जिला-रायपुर (छ.ग.),** को इस कार्यालय के नामांतरण आदेश क्रमांक 138 दिनांक 30.08.2024 के माध्यम से नामांतरित किया गया है। नामांतरित द्वारा उक्त फ्लैट को बैक ऑफ बडोदा शाखा-तेलीबांधा रायपुर में बंधक रखा गया था, लोन की राशि जमा नहीं करने पर बैंक द्वारा उक्त फ्लैट को अपने कब्जे में ले लिया गया है। बैंक द्वारा उक्त फ्लैट को **क्रेता श्रीमती देवगन सागरवंशी पति श्री मनोज सागरवंशी पता: म.नं. 1181 ब्लॉक-74, छ.ग. हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, बोरियाकला रायपुर तह व जिला-रायपुर (छ.ग.)** के पक्ष में दिनांक 10.09.2024 को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में क्रेता **श्रीमती देवगन सागरवंशी पति श्री मनोज सागरवंशी,** द्वारा उक्त फ्लैट को फ्री-होल्ड पश्चात् अपने नाम पर नाम दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन/फ्लैट का फ्री-होल्ड उपरांत नाम दर्ज किये जाने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
Email ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्रं./13755/न.पा.नि./जोन क्रं.-4/2024
रायपुर दिनांक : 12-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13755
वार्ड का नाम-46-मौलाना अब्दुल रऊफ वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 46 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR440C00084** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **VINOD RELWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. PARASRAM RELWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **गगन राठौड़** पिता/पति, श्री/श्रीमती **बाबूलाल राठौड़** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
अरूण कुमार ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि **सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में स्थित दुकान क्र. सी-72, श्री रॉबिन गुरूबक्षानी पिता श्री राजेश गुरूबक्षानी,** के नाम पर इस कार्यालय का आदेश क्रमांक 1937 दिनांक 26.07.2024 द्वारा नाम दर्ज किया गया है। नामांतरि द्वारा उक्त दुकान को क्रेतागण **(1) श्री आशीष होतवानी पिता श्री सुदामा मल होतवानी, निवासी म.नं. 42-856, कटोरातालाब, डॉ वाधवानी के पास, दुर्गा चौंक, रायपुर (छ.ग.) (2) श्री लक्की होतवानी पिता श्री घनश्याम दास होतवानी, निवासी- कटोरातालाब, डॉ वाधवानी के पास, दुर्गा चौंक, रायपुर (छ.ग.)** के पक्ष में दिनांक 27.08.2024 को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में **क्रेतागण (1) श्री आशीष होतवानी पिता श्री सुदामा मल होतवानी, (2) श्री लक्की होतवानी पिता श्री घनश्याम दास होतवानी,** द्वारा उक्त दुकान को फ्री-होल्ड पश्चात् अपने नाम पर नाम दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त दुकान के नाम दर्ज करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /14518/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 13-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14518
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568C0252B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **CHAIT RAM SINHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BHAVNTA SINHA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MANISH PADAMWAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHANDRASHEKHAR PADAMWAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./14196/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 12-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14196
वार्ड का नाम-34- लाल बहादुर शास्त्री वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 34 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR332E00180** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SANJAY KUMAR NIHALANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **SUNDARDAS NIHALANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री साई इवेंट्स एण्ड प्रमोशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा डायरेक्टर 1 भावार्थ वरेटवार 2 सुखद वरेटवार** पिता/पति श्री/श्रीमती **दोनों के पिता स्व. श्री अरूण गनपत वरेटवार** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./14257/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 12-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14257
वार्ड का नाम-10-रानी लक्ष्मी बाई वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227S00242** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SARVESH SINGH** पिता/पति श्री/श्रीमती **SIDHARTH SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. ANAND SINGH 2 MADHURI SINGH** पिता/पति श्री/श्रीमती **1. VIGHNA HARAN SINGH 2 ANAND SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर शनिवार 14 सितंबर 2024

मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े ने आंगनबाड़ी केंद्र वीरपुर में वजन त्यौहार किया शुभारम्भ

हरी झंडी दिखाकर वजन त्यौहार रथ को किया रवाना

सूरजपुर(विश्व परिवार)। महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े द्वारा वजन त्यौहार 2024 का शुभारंभ किया। मंत्री द्वारा 12 से 23 सितंबर तक चलने वाले वजन तिहार रथ को हरी झण्डी दिखा कर किया रवाना। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित पुरे प्रदेश में वजन त्यौहार का शुभारंभ किया महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री द्वारा ग्राम वीरपुर में आंगनबाड़ी केन्द्र बीरपुर सेक्टर पार्वतीपुर परियोजना सिलफिली में पहुंच कर बच्चों को स्वयं अपने हाथों से वजन कराकर पुरे प्रदेश में वजन त्यौहार का शुभारंभ किया। जिसमें कुल 55 बच्चो का उचाई वजन एवं बाहय जांच किया गया, महिलाओं में मंत्री के हाथों से अपने बच्चों का वजन कराने की होड लगी हुई थी, मंत्री बडे प्यार से बच्चों का वजन करा रही थी, तत्पश्चात् किशोरी बालिकाओं को मंत्री के द्वारा स्वयं किशोरी बालिकाओं, छोटे बच्चों को फ्ल एवं अन्य पौष्टिक सामग्री का वितरण किया गया। सभी उपस्थित किशोरी बालिकाओं एवं माताओं को पौष्टिक आहार ग्रहण करने की समझाईस दी गई, साथ ही महिलाओं को अपने भौतिक गतिविधियां करने की समझाईस दी गई। श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े मंत्री द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र के परिसर में एक पेड मां के नाम का पौधा लगया, साथ ही मंत्री कि द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र में लगाई गई पोषण वाटिका की तारीफकी और वाटिका में फ्लने वाले बरबट्टी, भिन्डी, मक्का एवं लकड़ा के संबंध में चर्चा करते हुए कहां की इसका क्या करते हों तो आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने बताया की बच्चों को खिलाते है, जिससे मंत्री प्रशन्नता जाहिर की गई। आंगनबाड़ी केन्द्र में विभाग द्वारा लगाये गये व्यंजन प्रदर्शनी के स्टॉल का निरीक्षण किया, स्टॉल में लगाये गये स्टॉल के व्यंजनो का लुफ्त उठाया और विभागीय अधिकारियों को निर्देशित भी किया कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में भी इसी प्रकार विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाये एवं बच्चों को खिलाये ताकि ग्रामीण महिलाओं में रूचि भी होगी और सुपोषण भी बढ़ेगा। आंगनबाड़ी केन्द्र में महिलाओं और बच्चों के चिकित्सीय परीक्षण हेतु लगाये गये स्टॉल में महिलाओं का एनीमिया एवं अन्य 61 महिलाओं एवं बच्चो का परीक्षण किया गया। मंत्री द्वारा स्वयं मेडिकल युनिट अपना चिकित्सीय जांच कराया गया मंत्री ने मौके पर रचित सेल्फी जोन में स्वयं बच्चों एवं महिलाओं के साथ फोटो खिंचवा कर सभी को प्रोत्साहित किया। और पोषण माह के अंतर्गत किशोरी बालिकाओं एवं माताओं तथा छोटे बच्चों को फ्ल एवं अन्य खाद्य सामग्री वितरण किया। कार्यक्रम में गौरी राजवाडे, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रमेश साहू, जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल, परियोजना अधिकारी श्रीमती बेरथा तिर्की, पर्यवेक्षक रामेश्वरी सिंह, मेडिकल स्टॉफअन्य पर्यवेक्षक आ0बा कार्यकर्ता मितानिन एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

ईश्वर को मनरेगा की मदद से मिली उन्नति की राह

मनरेगा से हुआ पशु आश्रय स्थल निर्माण कार्य

जांजगीर-चांपा(विश्व परिवार)। ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले ईश्वर ने महात्मा गांधी नरेगा के साथ मिलकर एक पशु शेड का निर्माण किया है, जिससे उनके पशुओं की देखभाल करने में आसानी हुई है। इस पशु शेड में वह अपने पशुओं को रख सकते हैं और उनकी देखभाल कर सकते हैं। पशु शेड का निर्माण होने से उन्हें अपने संसाधनों को बढ़ाने में मजबूती मिली है। मनरेगा के साथ उन्होंने जॉबकार्डधारी परिवारों के साथ तैयार किया और कुछ ही दिनों में, पशु शेड तैयार हो गया और ईश्वर सहित उनका परिवार खुश हो गया। इस पशु आश्रय स्थल निर्माण की सफलता की कहानी एक ऐसी कहानी है जो हमें बताती है कि कैसे एक छोटे से गाँव में रहने वाले ईश्वर ने अपने जीवन को सुधारा। जांजगीर-चांपा के विकासखण्ड अकलतरा की ग्राम पंचायत चंगोरी में रहते हैं ईश्वर पिता जनकराम। उनके पास पशु थे, लेकिन उन्हें अपने पशुओं के लिए कोई उचित स्थान नहीं था जहाँ वे उन्हें रख सकें। पशुओं के आश्रय की बहुत समस्या थी, गर्मी एवं बरसात के मौसम में पशुओं के लिए समस्या बढ़ती जा रही थी जिससे दूध उत्पादन काफी कम होता जा रहा था, तो वहीं दूसरी ओर पशु भी बीमारी से ग्रसित होने लगे थे। इसी दौरान एक दिन वह ग्राम पंचायत की बैठक में गए जहां पर उन्हें महात्मा गांधी नरेगा के माध्यम से हितग्राही मूलक कार्यों की जानकारी मिली। कुछ आवश्यक जानकारी उन्होंने रोजगार सहायक से ली और अपने आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज भी जमा कराए। ग्राम पंचायत में ग्रामीणों के साथ बैठक आयोजित की इस बैठक में अजीविका बढ़ाने के लिए ईश्वर के लिए पशु आश्रय स्थल निर्माण कार्य के लिए सभी ने सहमति जताई और प्रस्ताव को पास किया। यहीं से उन्होंने अपने जीवन के बदलाव को देखा, वह दिन आया जब जनपद पंचायत से जिला प्रस्ताव भेजा गया और जिले से हितग्राही मूलक कार्य के रूप में राशि की मंजूरी दी गई। मनरेगा के मजूदरों ने उनका यह पशु आश्रय स्थल तैयार किया और वह दिन आ गया जब वह पशुओं के लिए बनाए गए शेड में रखने लगे। ईश्वर कहते हैं कि कुछ ही दिनों में, पशु शेड तैयार हो गया और अपने पशुओं को वहाँ रखा। इससे उन्हें अपने पशुओं की देखभाल करने में आसानी हुई और उनके जीवन में सुधार आया। वह कहते हैं कि उन्हें दो-तीन तरीके से मुनाफा हुआ, एक जो रोजगार के रूप में तो दूसरा पशुओं के दूध उत्पादन एवं गोबर से खाद एवं वर्मी खाद उत्पादन कर अतिरिक्त आय प्राप्त करने लगे हैं।

विधायक शकुंतला पोर्ते प्रतापपुर के मंगल भवन में हुए शामिल

सूरजपुर(विश्व परिवार)। आज प्रतापपुर के मंगल भवन में महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा वजन त्यौहार का शुभारंभ श्रीमती शकुंतला पोर्ते विधायक के मुख्य आतिथ्य में हुआ। विधायक द्वारा वजन त्यौहार के महत्व पर प्रकाश डाला गया। प्रतापपुर परियोजना में 27 मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ताओं को मुख्य आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ता का आदेश मुख्य अतिथि द्वारा वितरित किया गया। इसके साथ ही 3-6 वर्ष के बच्चों को गणवेश वितरण भी किया गया। साथ ही बच्चों का वजन एवं ऊंचाई लेते हुए वजन त्यौहार का शुभारंभ किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा एनीमिया जांच हेतु शिविर में लगभग 120 महिलाओं का एनीमिया जाँच किया गया, साथ ही टी. बी., शुगर, सिकल सेल, ब्लड प्रेसर जाँच भी किया गया। इस कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं का गोद भराई एवं बच्चों का अन्नप्राशन भी विधायक द्वारा किया गया। एक कदम सुपोषण की ओर ''कुपोषण से सुपोषण की ओर बढ़ता प्रतापपुर'' थीम पर एक नवाचार करते हुए विधायक द्वारा ग्राम पंचायत बरौल को गोद लेते हुए 31 दिसंबर तक कुपोषण एवं अनिमिया मुक्त करने शपथ लेते हुए अंतर्विभागीय समन्वय एवं जन समुदाय के सहयोग से उक्त लक्ष्य को पूर्ण करने आहवान किया गया। कार्यक्रम में नगर पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती रंजनी मुकेश अग्रवाल, परियोजना अधिकारी मोहम्मद इमरान अख्तर व अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

नवोदय विद्यालय में खिलौना बनाने की कार्यशाला का हुआ आयोजन

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा के स्थानीय पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय सलोरा के प्राचार्या शांति मोहंती के निर्देशन में विद्यालय के एटीएल लैब में 10 अगस्त से 9 सितंबर तक एक माह की स्वदेशी खिलौने बनाने की कार्यशाला आयोजित हुई। जिसमें प्रशिक्षक के रूप में बालोद जिले की निशा गोयल, कोरबा निवासी व भूतपूर्व छात्र इंदिरा गांधी संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ के श्री राम गोपाल कंवर एवं विद्यालय के कला शिक्षक श्री महाबलि पोर्ते ने विद्यालय के कुल 98 विद्यार्थियों को स्वदेशी खिलौने बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया। विद्यार्थियों ने विशेष रुचि लेकर मिट्टी व प्लास्टर ऑफ पेरिस के खिलौने, कपड़े से कठपुतली बनाना, सॉफ्ट टॉय, पेपर टॉय आदि बनाने की तकनीक सीखी और आकर्षक खिलौनों का निर्माण किया। विद्यालय के शिक्षक संतोष कुमार चैरसिया ने बताया की 9 सितंबर को इस कार्यशाला का समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्री हेमंत माहुलीकर ने बच्चों को स्व के अर्थ को समझाते हुए स्वयं, स्वराज, स्वतंत्र और स्वदेशी के बारे में रोचक जानकारी प्रदान की। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए स्वदेशी खिलौनों की खूब सराहना की।

मुआवजा की मांगः सड़क पर शव रखकर तीन घंटे चक्का जाम

स्वजनों ने मेडिकल कालेज के सामने किया प्रदर्शन

कोरबा(विश्व परिवार)। सड़क दुर्घटना में मृत व्यक्ति की शव को जिला मेडिकल कालेज अस्पताल के सामने बीच सड़क में रख कर पर स्वजनों ने चक्का जाम कर दिया। दस लाख मुआवजा और नौकरी की मांग को लेकर स्वजन तीन घंटे तक सड़क में बैठे रहे। पुलिस व जिला प्रशासन के अधिकारियों ने मांग पूरा करने का आश्वासन दिया तब जाकर आवागमन बहाल हुई। शहर में सड़क दुर्घटना का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। घटना मंगलवार शाम चार बजे की है। जिला अस्पताल में आयुष्मान विभाग में संविदा आपरेटर के पद पर कार्यरत कांशीराम 26 वर्ष काम करने के बाद अपने घर पंडरीपानी जा रहा था। इस दौरान विपरीत दिशा से आ रही ट्रक ने उस ठोकर मार दिया दिया। जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। नाराज स्वजनों ने घटना के दूसरे दोपहर एक बजे अस्पताल के सामने शव कर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। चक्का जाम किए जाने से पीजी कालेज से कोसाबाड़ी मार्ग बाधित रहा। लोगों को तानसेन चैक से तहसील कार्यालय मार्ग होते हुए आवागमन करना पड़ा। स्वजनों का कहना था कि मार्ग में भारी वाहनों के संचालन के अनुरूप सड़क का निर्माण किए बगैर अनुमति दी गई है। आवागमन करने वाले राहगीर असुरक्षित हैं। मृतक कांशीराम अपने घर का पालनहार था। उसकी मौत के बाद स्वजनों के लिए जीने का सहारा छिन गया है। नौकरी और 10 लाख रूपये मुआवजे की मांग पर अड़े स्वजनों को मौके पर उपस्थित सीएसपी भूषण एक्का व तहसीलदार सत्यपाल राय ने समझाईस दी और मांग पूरा करने का आश्वासन दिया, तब कहीं जाकर लोगों ने आवागमन बहाल किया। शहर से लगे सड़कों मे आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। पखवाड़े भर पहले शराब पीकर वाहन चला रहे युवक ने कार की चपेट में दो बाइक सवारों को ले लिया। इससे दो लोगों की मौत हो गई, वहीं एक घायल हो गया।

आत्मा का ज्ञान ही मुक्ति कहलाता है: अतुल कृष्ण

गरीबी हो या अमीरी, भगवान का प्रसाद समझकर जीवन जीना चाहिए

श्री कृष्ण-सुदामा के प्रसंग ने किया भाव-विभोर

कोरबा(विश्व परिवार)। नगर के अग्रसेन मार्ग स्थित मेहर वाटिका में ठण्डु राम परिवार (कादमा वाले) के द्वारा पितृ मोक्षार्थ व गयाश्राद्धान्तर्गत आयोजित कराई जा रही श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में कथा व्यास अतुल कृष्ण भारद्वाज के श्रीमुख से कथा उच्चरित हो रही है। आज कथा के सातवें दिन सुदामा प्रसंग, परीक्षित मोक्ष एवं व्यास पूजन का प्रसंग वर्णित किया गया। अतुल कृष्ण महाराज ने सभी श्रृदालुओं के समक्ष भामासुर के विषय से कथा प्रारम्भ करते हुए बताया कि भगवान श्री कृष्ण ने भामासुर राक्षस द्वारा अपहृत की गई सोलह हजार एक सौ कन्याओं को युद्ध करके छुड़ाया। समाज द्वारा उनका तिरष्कार ना हो, इसीलिए स्वयं भगवान ने अपने साथ विवाह किया। भगवान श्री कृष्ण से बड़ा दयालु और कौन होगा, जिनको दुनिया वाले त्याग देते हैं, उसको स्वयं भगवान की शरण में जाना चाहिए। भगवान स्वयं उसका वरण कर लेते हैं। कथा व्यास ने कहा कि सुदामा ब्राहम्ण थे परन्तु दरिद्र नहीं। जीवन में गरीबी होना अलग बात है, दरिद्र होना अलग बात है। कोई धनवान भी दरिद्र हो सकता है। ब्राहम्ण दान लेने का अधिकारी तो है, परन्तु भीख माँगने का नहीं। गरीबी होने पर सुदामा भीख नहीं माँगते, पूजा-पाठ एवं कथा में जो आ जाए उसी को भगवत कृपा मानकर स्वीकार कर लेते लेकिन प्रसन्न रहते। सुदामा संतोषी हैं, वह भगवान श्रीकृष्ण से मिलने गए और श्री कृष्ण ने उन्हें सिंहासन पर बैठाया। चरणों में बैठ गए भगवान, खूब रोए। ये स्वागत ब्राहम्ण का है, किसी दरिद्र का नहीं। समाज को सुदामा से प्रेरणा लेनी चाहिए कि गरीबी हो या अमीरी, भगवान का प्रसाद समझकर जीवन जीना चाहिए। कथा व्यास ने कहा कि दत्तात्रेय के 24 गुरू थे, उनका वर्णन करके बहुत ही सरल ढंग से समझाया कि छोटे-छोटे जीव का सम्मान करके उसमें परमात्मा का दर्शन करें। प्रत्येक पशु-पक्षी भी जीवन में मार्गदर्शक हो सकते हैं, उनसे सीख लेनी चाहिए। भगवान श्रीकृष्ण का परिवार बहुत बड़ा हो गया, उनके आग्रह पर पितृ आत्मा की शान्ति के लिए पूरे परिवार के पितर-तर्पण हेतु सोमनाथ गए, जहाँ तर्पण पश्चात भोग प्रसादी के समय परिवार के सदस्य मदिरा-पान करने को कहे, परन्तु भगवान श्री कृष्ण के बहुत मना करने पर नहीं माने और सभी ने मदिरा-पान किया और फिर नशे में आपस में लड़ बैठे। देखते ही देखते भंयकर युद्ध होने लगा, परिणाम स्वरूप पूरा परिवार नष्ट हो गया। अंत में परीक्षित के मोक्ष का वर्णन बड़े ही मार्मिक ढंग से किया। आचार्य ने कहा कि मृत्यु उसे कहते हैं, जब शरीर शान्त हो जाए। मुक्ति-माया क्या है-भ्रम, जो दिख रहा है, वह सत्य लगता है, यह भी भ्रम है।

संक्षिप्त समाचार

दो शराब तस्कर सहित तीन आरोपी गिरफ़्तार

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले की उरगा पुलिस ने शराब तस्करी के दो अलग अलग मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से क्रमशः 60 लीटर तथा 8 लीटर देशी महुआ शराब जब्त किया है। बता दें कि पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरबा यूबीएस चैहान, नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा भुषण एक्का के मार्गदर्शन पर लगातार जुआ, सट्टा, आबकारी एवं नारकोटिक्स एक्ट की कार्यवाही हेतु निर्देशित करने के परिपालन में थाना प्रभारी उरगा प्रेमचंद साहू के नेतृत्व में उरगा पुलिस टीम के द्वारा लगातार कठोर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में अवैध कच्ची महुआ शराब को उरगा क्षेत्र से लेकर मोतिसागरपारा, सीतामणी एवं शहर के विभिन्न क्षेत्रों में शराब खपाने वाले तस्करों पर कार्यवाही करने में उरगा पुलिस कोरबा को सफलता प्राप्त हुई है। मुखबीर से सूचना के अधार पर मोटरसाइकल सीजी 12 बीपी 1242 से उरगा से शराब लेकर सीतामणी जा रहे आरोपी यशवंत केवर्त एवं विष्णु प्रजापति के क़ब्ज़े से 60 लीटर देशी महुआ शराब एवं सुनील बींझवार के क़ब्ज़े से 8 लीटर देशी महुआ शराब कुल 68 लीटर देशी महुआ शराब एवं एक मोटर साइकिल को जप्त कर धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया।

तालाब में मिली एक युवती की लाश

जशपुर(विश्व परिवार)। बगीचा थाना क्षेत्र के ग्राम सुलेसा में एक युवती की तालाब में लाश मिली है, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है. बताया जा रहा है कि बुधवार की रात ग्रामीण गणेश विसर्जन के लिए उसी तालाब में गए थे, जहां गुरुवार यानी आज सुबह एक 20 वर्षीय युवती की लाश तैरती हुई मिली. प्रथम दृष्टया मामला हत्या का लग रहा है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई शुरू की। मिली जानकारी के अनुसार, करीब दो वर्ष पहले मृतिका के साथ गांव के ही 7 लोगों ने मिलकर दुष्कर्म किया था, जिसमें सभी आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं और सभी जेल में बंद हैं. घटना की सूचना मिलते ही पंड्रापाठ पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है. पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है. फ्लिहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि युवती की मौत के पीछे क्या कारण है, लेकिन हत्या की आशंका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है.

पुल के नीचे मिली अज्ञात व्यक्ति की सर कटी लाश

जशपुर(विश्व परिवार)। बड़ी खबर जशपुर से आ रही है । कुनकुरी थाना क्षेत्र के नदी पूल के नीचे एक व्यक्ति की विभत्स लाश मिली है। शव का सिर अलग और धड़ अलग है। सुबह सुबह पूल के तरफ गए स्थानीय लोगो की नजर जैसे ही पड़ी लोगो के होश उड़ गए । क्योंकि शव का सिर जिस्म से अलग करके कहीं और फेक दिया गया था । स्थानीय लोगो के द्वारा शव को शिनाख्त करने की कोशिश की जा रही है लेकिन अभी तक मृतक की शिनाख्ती नहीं हो पाई है । मृतक की उम्र का अनुमान तकरीबन 40 वर्ष लगाया जा रहा है । कुनकुरी थाना प्रभारी सुनील सिंह ने बताया कि शव मिलने की सूचना मिली है ।सूचना के बाद पुलिस टीम मौके के लिए रवाना हो गई है । मौके का मुआयना करने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है ।

कच्ची शराब बेचते एक गिरफ्तार

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले की चौकी मानिकपुर पुलिस द्वारा अवैध कच्ची महुआ शराब बिक्री करने वाले व्यक्ति पर कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार किया गया है तथा आरोपी के पास से 20 लीटर कच्ची महुआ शराब जप्त किया गया है। बता दें कि पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरबा यूबीएस चैहान, नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा भुषण एक्का के मार्गदर्शन पर लगातार जुआ, सट्टा, आबकारी एवं नारकोटिक्स एक्ट की कार्यवाही हेतु थाना चौकी को निर्देशित किया गया था। वरिष्ठ अधिकारियों से प्राप्त निर्देश के परिपालन में चौकी प्रभारी मानिकपुर नवीन पटेल के नेतृत्व में मानिकपुर पुलिस टीम के द्वारा लगातार कठोर कार्यवाही कि जा रही है। इसी क्रम में अवैध कच्ची महुआ शराब बना कर बिक्री करने वाले पर कार्यवाही करने में मानिकपुर पुलिस को सफलता प्राप्त हुई है। मुखबीर से सूचना के आधार पर ग्राम कदमहाखार निवासी जोहन खेस अपने घर में पास कच्ची महुआ शराब बना रहे हैं की सूचना पर उक्त स्थान पर घेरा बंदी कर रेड कार्यवाही किये जहां एक व्यक्ति से 20 लीटर कच्ची महुआ शराब को जप्त कर चौकी मानिकपुर में धारा 34(2) आबकारी अधिनियम पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

संपादकीय

भारत पिछड़ा मौका हाथ से गया.....

चीन ने जो जगह खाली की, उसे बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देश भरने में कैसे कामयाब हुए और क्यों भारत पिछड़ गया? चुनौती यह सोचने की भी है कि चूंकि वो मौका हाथ से चला गया है, तो अब आगे क्या विकल्प है? श्रम केंद्रित मैनुफैक्चरिंग सेक्टर्स से चीन के हटने से भारत के सामने बड़ा निर्यातक देश बनने का जो अवसर आया था, वह हाथ से निकल गया है। यह बात विश्व बैंक ने कही है। बैंक ने अपने इंडिया डेवलपमेंट अपडेट में जिक्र किया है कि भारत में अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित प्रत्यक्ष या परोक्ष रोजगार पिछले एक दशक के दौरान घटा है। बताया गया है कि वस्त्र, चमड़ा, कपड़ा, रत्न एवं जेवरात आदि जैसे श्रम केंद्रित सेक्टर्स में विश्व व्यापार में भारत का हिस्सा गिरता चला गया है। जबकि बांग्लादेश, वियतनाम और पोलैंड जैसे देशों ने अपना हिस्सा बढ़ा लिया है। इसके पहले मीडिया रिपोर्टों में बताया गया था कि 2017-18 के बाद से उपरोक्त वस्तुओं के भारतीय निर्यात में 12 फीसदी की गिरावट आई है। नतीजतन, इन क्षेत्रों से जुड़े कारखाने या तो बंद हुए हैं या उन्होंने अपना उत्पादन घटाया है। स्वाभाविक है कि इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या नौकरियां गई हैं। विश्व बैंक ने इस अंतर्विरोध का उल्लेख किया है कि एक तरफ भारत आज दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ रही अर्थव्यवस्था है, वहीं देश में शहरी युवा बेरोजगारी की दर 17 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर है। बैंक की राय है कि जब तक भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित क्षेत्रों के वैल्यू चेन (मूल्य शृंखला) में आगे नहीं बढ़ता है, उसके लिए बेरोजगारी की समस्या का हल ढूंढना मुश्किल बना रहेगा। गौरतलब है कि बैंक ने जिस अवधि का विस्तार से जिक्र किया है, वो मेक इन इंडिया और आत्म-निर्भर भारत जैसे नारों के शोर से भरी रही है। लेकिन अब उन नारों की हकीकत देश के सामने है। विचारणीय है कि चीन ने जो जगह खाली की, उसे बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देश भरने में कैसे कामयाब हुए और क्यों भारत इसमें पिछड़ गया? चुनौती यह सोचने की भी है कि चूंकि वो मौका हाथ से चला गया है, तो अब देश के सामने क्या विकल्प है? वर्तमान केंद्र सरकार ऐसे गंभीर मसलों पर किसी राष्ट्रीय बहस की शुरुआत करेगी, इसकी उम्मीद तो नहीं है; लेकिन विपक्ष के पास भी क्या इसकी इच्छाशक्ति एवं बौद्धिक साहस है?

आलेख

हिन्दी की राष्ट्रव्यापी स्वीकार्यता चाहिये

विजय कुमार जैन

सर्वविदित है 14 सितंबर 1949 को हिन्दी भारत की राजभाषा घोषित की गई थी। और राजकाज के लिये पन्द्रह वर्ष तक अंग्रेजी को संपर्क

भाषा के रूप में प्रयोग करने की स्वीकृति दी गई थी, लेकिन तब से आज तक सात दशकों से अधिक वर्षों में हिन्दी को राष्ट्रभाषा का सम्मान नहीं मिला। संतोष का विषय है कि आधुनिक संचार क्रांति के नये युग में मीडिया, फिल्म जगत और उद्योग सभी क्षेत्रों में हमारी प्यारी भाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार को अपेक्षाकृत बल मिला है। दक्षिण भारतीय भी हिन्दी के प्रति अब ज्यादा दुराग्रह नहीं रखते, मगर खेद का विषय है कि आज तक किसी शासनकाल में हिन्दी को राष्ट्र भाषा के रूप में प्रतिष्ठित करने सक्रिय प्रयास नहीं हुए, हिन्दी दिवस के आयोजन मात्र औपचारिकता बन गये है। 14 सितंबर 1949 को भारत के संविधान में हिन्दी को भारतीय गणराज्य की राष्ट्र भाषा बनाने का निर्णय लिया गया और उसी दिन की स्मृति में संपूर्ण भारत में प्रतिवर्ष 14 सितंबर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। महाकवि मैथिली शरण गुप्त ने लिखा है भगवान भारत वर्ष में गूंजे हमारी भारती।भारती से महा कवि का आशय राष्ट्र भाषा हिन्दी से है। विश्व के 180 देशों में हिन्दी बोलने और समझने बाले नहीं है। पिछले 49 वर्षों के दौरान ग्यारह विश्व हिन्दी सम्मेलन विश्व के अनेक नगरों में आयोजित किये गये। हिन्दी लेखकों एवं कोटि के विद्वानों के आपसी सामन्जस्य से सौहार्द का वातावरण निर्मित हुआ है। विदेशों में हिन्दी का प्रचार प्रसार धीरे धीरे गति पकड़ रहा है।मॉरीशस,फिजी, सूरीनाम, त्रिनिदाद, गुयाना, नीदरलैंड, दक्षिण अफ्रीका, नार्वे, वियतनाम, जापान, अमेरिका, जोहान्सबर्ग आदि देशों में ऐसी अनेक संस्थायें है जो हिन्दी साहित्यकारों की जयंती मनाते है। राम चरित मानस और गीता का पाठ करबाते है। होली और दीवाली के अवसर पर मिलन समारोह और कवि सम्मेलन आयोजित करते है। मगर दुख का विषय है कि हम विदेशों में हिन्दी की इस हलचल को देख कर खुश तो हो लेते है किन्तु इस बात पर ध्यान नहीं देते कि,10 से 14 जनवरी 1975 को नागपुर में आयोजित पाँच दिवसीय प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री मती इंदिरा गाँधी ने संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी को आधिकारिक भाषा के रूप में का जो संकल्प लिया था, वह अभी तक अधर में ही क्यों लटका हुआ है। चेकोस्लोवाकिया के विद्वान प्रो. ओदोलेन स्मेकल ने नागपुर में आयोजित प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन में कहा था देश की आत्मा को समझने के लिये उसकी भाषा को समझना चाहिए। मुझे जान पड़ता है कि भारत की आत्मा को समझने के लिये संस्कृत निष्ठ हिन्दी को जानना आवश्यक है, क्योंकि वह अपने मूल रूप में संस्कृत शब्दों को आत्मसात करने के फलस्वरूप समृद्धतम वर्तमान भारत की राष्ट्र भाषा है। भारत के संविधान के भाग 17 अध्याय 1 में भारत की राजभाषा का उल्लेख है। संविधान में संकल्प 343 में स्पष्ट उल्लेख है कि भारत की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी। भारतीय संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिये अंकों का रूप भारतीय अंकों का अन्तर्राष्ट्रीय रूप होगा। संविधान निर्माताओं ने बड़ी चालाकी से राजभाषा हिन्दी के साथ पन्द्रह वर्ष तक एक प्रावधान भी रखा था। हिन्दी राजभाषा के रूप में संवैधानिक रूप से तो प्रतिष्ठित हो गई पर हिन्दी को नौकरशाहों ने समय से ही अपनी भाषा और संस्कृति को भारत में स्थापित करने का कार्य प्रारंभ कर दिया था। अंग्रेजों ने अपना शासन उज्जवल करने सबसे पहले अंग्रेजी को शासन और प्रशासन की भाषा बनायी। भारत में आजादी के पहले और बाद भी प्रशासकों ने अंग्रेजी को ही अपनी कार्य भाषा बनाया और हिन्दी की उपेक्षा कर उसके लिये मुश्किलें पैदा की हैं। आचार्य विनोबा भावे ने कहा है हिन्दी रूपी सूरज की रोशनी के बिना सबेरे की कल्पना व्यर्थ है। मैं दुनिया की सब भाषाओं की इज्ज़त करता हूँ, परन्तु मेरे देश में हिन्दी की इज्ज़त न हो, यह मै नहीं सह सकता। निश्चित ही यह गर्व का विषय है कि भारत के दक्षिण प्रदेशों तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, केरल आदि में हिन्दी के व्यापक प्रचार प्रसार में साधु सन्तों, फक्कीरों तथा उत्तर भारत से आये मारबाड़ी, गुजराती और मुसलमान व्यापारियों ने सराहनीय हिन्दी सेवा की है। गुजरात में जन्मे महात्मा गाँधी और स्वामी दयानंद सरस्वती के साथ साथ कवि दयाराम का योगदान हमेशा याद रहेगा। बंगाल के कवि रवीन्द्रनाथ ठाकुर, बंकिम चन्द्र चटर्जी और शरतचंद्र का हिन्दी के लिये योगदान महत्वपूर्ण रहा है।

राष्ट्रभाषा हिंदी और मातृभाषा में शिक्षा समय की मांग

-मुनि श्री अक्षयसागर जी महाराज

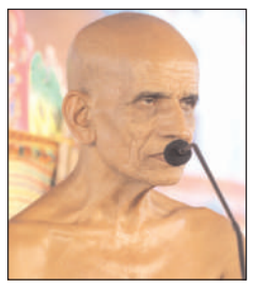

राष्ट्रीय हिंदी दिवस का इतिहास 14 सितंबर, 1949 से शुरू होता है। इस दिन, भारत की संविधान सभा ने देवनागरी लिपि को आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में अपनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था। हिंदी दिवस को मनाने के पीछे एक कारण यह है कि देश में अंग्रेजी भाषा के बढ़ते चलन और हिंदी की उपेक्षा को रोकना है। आपको बता दें कि महात्मा गांधी ने हिंदी को जन-जन की भाषा भी कहा था।

जॉर्ज ऑखेरू, प्रसिद्ध ब्रिटिश लेखक ने लिखा है- किसी राष्ट्र की संस्कृति और पहचान को नष्ट करने का सुनिश्चित तरीका है , उसकी भाषा को हीन बना देना। जयप्रकाश नारायण ने लिखा था कि- मेरा सुनिश्चित मत है कि विदेशी भाषा अनिवार्य रहते हमारे शिक्षार्थियों में स्वाभिमान का विकास नहीं हो सकता। स्वतंत्र भारत में अंग्रेजी को अनिवार्य रखना राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतिकूल है। सुप्रसिद्ध पत्रकार और लेखक डॉ वेदप्रताप वैदिक ने अपने एक लेख में लिखा कि- स्वतंत्र भारत में अंग्रेजी के एकाधिकार शाही को छोड़कर अन्य विदेशी भाषाओं का सम्मान किया होता तो हमारा व्यापार कम से कम दस गुना अधिक होता, देशी भाषा को योग्य सम्मान मिला होता तो अपना देश सही मायने में एक आधुनिक, शक्तिशाली, समृद्ध और सही-सही लोकशाही राष्ट्र बना रहता और आजतक जो नुकसान हुआ उससे कई गुना कम नुकसान हुआ होता।

संस्कृति के मूल मूल्यों की पहचान कराती है हिंदी

हिंदी दिवस के मौके पर, हमें यह याद दिलाना चाहिए कि हमारी भाषा हमारी संस्कृति, गाथाएं, और इतिहास का प्रतीक है। हिंदी का सही ज्ञान हमें हमारे देश की धरोहर को समझने में मदद करता है और हमारे बच्चों को हमारे संस्कृति के मूल मूल्यों को सीखने में मदद करता है।

मातृभाषा में हो शिक्षा : जन्म भाषा में शिक्षा प्राप्त करना प्रत्येक नागरिक का जन्म सिद्ध अधिकार है। नवीनतम शोध में पाया गया है कि जिस भाषा में मां गर्भकाल में गर्भस्थ शिशु से बात करती है, जिस भाषा में बच्चा सोचता है, जिस भाषा में सपने देखता है , जिस भाषा में वह जन्म से संवाद करना सीखता है, यदि उसी भाषा में शैशव और किशोर अवस्था में बच्चे की शिक्षा हो तो उसका मानसिक विकास इतना अच्छा होता है कि वह उच्च शिक्षा के सभी विषय ज्यादा अच्छी तरह से ग्रहण करने में सक्षम होता है। तब उसे ज्ञान को रटना नहीं होता है। वह सही मायने में ज्ञान को ग्रहण करता है जो कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य है। मातृभाषा से भिन्न भाषा को शिक्षा का माध्यम बनाने पर बच्चों की अधिकांश ऊर्जा और समय उस भाषा को

सीखने में व्यय होता है। समय और शक्ति के अभाव में वह अन्य विषयों में स्वाभाविक रुचि नहीं ले पाता, परिणामस्वरूप थकान और तनाव हो जाता है, उसका स्वाभाविक और सर्वांगीण विकास नहीं हो पाता है। इसलिए आज मातृभाषा में शिक्षा सबसे पहली आवश्यकता है।

किसी भी भाषा को शिक्षा के माध्यम के रूप में चयन के तीन आधार होते हैं /

1. जिस भाषा में विद्यार्थी सरलता से ज्ञान ग्रहण कर सके।
2. जिस भाषा में विद्यार्थी बारीकी के साथ वस्तु के यथार्थ स्वरूप का चिंतन कर सके।
3. जिस भाषा में विद्यार्थी अपने विचारों को सरलता से अभिव्यक्त कर सके।

हमें सोचना है कि यह तो केवल मातृभाषा में ही संभव है। विदेशी भाषा तो बिल्कुल भी इन मापदंडों पर खरी नहीं उतर सकती है।

भाषा की समृद्धता : हमारी राजभाषा हिंदी 770000 स्वयं के शब्दों से समृद्ध है। हिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं है; यह एक सांस्कृतिक खजाना है जो हमें हमारी जड़ों और परंपराओं से जोड़ता है। यह एक ऐसी भाषा है जो सदियों से विकसित हुई है और जिसने विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों के प्रभावों को आत्मसात किया है। यह एक ऐसी भाषा है जिसकी साहित्यिक विरासत समृद्ध और विविध है, जो प्राचीन महाकाव्यों और भक्ति कविताओं से लेकर आधुनिक उपन्यासों और उत्तर आधुनिक लेखन तक फैली हुई है। यह एक ऐसी भाषा है जो भारतीय लोगों के इतिहास, संस्कृति और मूल्यों और अन्य सभ्यताओं के साथ उनके संबंधों को दर्शाती है।

अंग्रेजी भाषा का विरोध क्यों?- अंग्रेजी या किसी भी भाषा का विरोध नहीं है पर वह शिक्षा का माध्यम न होकर एक विषय के रूप में पढ़ाई जानी चाहिए। जो भाषा मात्र तीन महीने में सीखी जा सकती है। उसके लिए बच्चे का बचपन छीन लेना कहाँ की बुद्धिमानी है। उसके लिए इतना बड़ा और इतना महंगा तंत्र खड़ा करने का अपव्यय क्यों? अपनी भाषा और संस्कृति की कीमत पर अंग्रेजी का विकास क्यों? एक आधुनिक समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र की उन्नति में मातृभाषा की क्या भूमिका हो सकती है इसकी जानकारी हमारे नेताओं को आज भी नहीं है। उनकी अज्ञानता के कारण स्वतंत्रता के 76 वर्ष वर्ष उपरांत भी हमारी शिक्षण पद्धति, नौकरशाही , संचार माध्यम, न्यायालय और संसद में अंग्रेजी का ही वर्चस्व है। अंग्रेजी के वर्चस्व से देश का प्रचंड नुकसान हुआ है परायी भाषा के पीछे घूमते रहने से देश महाशक्ति कैसे बन सकता है? आज तक जितने भी राष्ट्र महाशक्ति बने हैं वे मातृभाषा के द्वार खोले हुए हैं, उन्होंने एक नहीं अपितु अनेक विदेशी भाषाओं की खिड़कियां खोली हैं। यह एक भ्रांत धारणा है कि अंग्रेजी भाषा के बिना तकनीकी विषय नहीं पढ़ाए जा सकते। चीन, जर्मनी , फ्रांस, सोवियत रूस में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी न होकर वहां की मातृभाषाएं हैं। लेकिन तकनीकी विकास में किसी तरह से इंग्लैंड, अमेरिका से कम नहीं हैं। विश्व के 77 देश कभी अंग्रजों के गुलाम थे, आज वे सभी स्वतंत्र हो चुके हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरांत सभी ने शिक्षा के माध्यम के रूप में अंग्रेजी को नहीं अपनी मातृभाषा को ही अपनाया है। तो क्या अंग्रेजी के अभाव में इन देशों में सब बेरोजगार ही रह जाते हैं? जिस देश की युवा आबादी में विदेशी भाषा के माध्यम से किसी का नौकर हो जाने की ख्वाहिश हो, अपना व्यवसाय करके मालिक बनने की चाहत ही न हो, उद्यमशीलता ही न हो, तो क्या वह देश कभी वास्तविक विकास कर सकता है? आज विश्व के सभी देश अपने देश में अंग्रेजी के प्रभाव कम करने के लिए प्रयत्नशील हैं लेकिन हम हैं अंग्रेजी के दीवाने, पाश्चात्य सभ्यता के नशे में डूबे हुए हैं, इस भाषा के साथ आने वाली गुलामी को नहीं देख पा रहे हैं और जानबूझकर इस भाषा के प्रभाव को बढ़ाते ही चले जा रहे हैं। यदि आपके बच्चे अंग्रेजी माध्यम के स्कूल में पढ़ रहे हैं और स्कूल में आपस में हिंदी, मराठी, कन्नड़ में बातचीत करने पर उन्हें दंडित किया जाता है तो ऐसे दंड का जोरदार विरोध होना चाहिए। जब तक अगली पीढ़ी को शिक्षण संवाद में अंग्रेजी शब्दों के प्रयोग से पढ़ाते रहेंगे, यह समस्या खत्म न होगी। हिंदी और अन्य प्रांतीय भाषाओं को विकृत करने में अंग्रेजी का निर्णायक योगदान रहा है।

जीवन निर्वाह नहीं,निर्माण हो शिक्षा का उद्देश्य :

नई शिक्षा नीति में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने शिक्षा का ध्येय बताया कि- हित का सृजन और अहित का विसर्जन यही शिक्षा का ध्येय है, शिक्षा का उद्देश्य जीवन निर्वाह नहीं, जीवन निर्माण है। विद्या अर्थकारी नहीं, पर्मार्थकारी होना चाहिए। शिक्षा का कार्य संस्कारों के संरक्षण के साथ भविष्य का विकास करना है। ज्ञान भाषात्मक नहीं, भावनात्मक होना चाहिए। हिंदी राष्ट्र की रीढ़ है : हिंदी हमारे राष्ट्र की रीढ़ है। हर नागरिक को अपनी दुकान नाम हिंदीं या मातृभाषा में लिखना चाहिए। अंकों के स्वरूप भी भारतीय हो। प्रत्येक कार्यालयों में हिंदी भाषा में ही कामकाज हो। संवाद भी हिंदी भाषा में हो। हिंदी एक भाषा से कहीं बढ़कर है; यह भारत की समृद्ध और विविध संस्कृति की जीवंत अभिव्यक्ति है। यह एक ऐसा पुल है जो अतीत और वर्तमान, स्थानीय और वैश्विक, प्राचीन और आधुनिक को जोड़ता है। हिंदी न केवल एक राष्ट्रीय भाषा है, बल्कि एक रचनात्मक भाषा भी है जो लोगों को अपने विचारों, भावनाओं और सपनों को व्यक्त करने के लिए प्रेरित करती है। हिंदी भारत की भाषा है और दुनिया की भाषा है।

हिन्दी जन -जन की भाषा :

नई शिक्षा का माध्यम हिन्दी बना दिया जाय तो देश में हिंदी को नए आयाम स्थापित करते देर नहीं लगेगी। हिन्दी के प्रचार प्रसार में सरकारी व निजी शिक्षा संस्थाओं, गैर सरकारी संगठनों तथा आम जनता का सहयोग अपेक्षित होगा। हिन्दी दिवस मनाने से राष्ट्रभाषा संवृद्ध होगी। हिन्दी जन जन की भाषा बनेगी। और हिन्दी को अपना स्थान मिल सकेगा। देश में राष्ट्रीय भावना का संचार होगा। और देश निश्चित दिशा की ओर अग्रसर होगा।परन्तु देखने में आता है कि हर साल सितम्बर का महीना हिन्दी के नाम होता है और बाकि के 11 महीने अंग्रेजी को समर्पित। ऐसे में हिन्दी को जनभाषा के रूप में प्रतिष्ठापित किये जाने की जो कवायद है, वह आयोजनों तक ही रह गई है। स्वतंत्र राष्ट्र में राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान और राष्ट्रीय वेश तो प्रतीकात्मक रूप से राष्ट्र की पहचान हैं। वास्तव में राष्ट्रभाषा ही राष्ट्र की धमनियों में संचारित होने वाली राष्ट्रीयता की जीवंत धारा, रुधिर धारा है। राष्ट्रभाषा के बिना जन-जन का न तो पारस्परिक सम्पर्क संभव है और न देशवासियों में एकता की भावना ही पनप सकती है। विदेशी भाषा के माध्यम से स्वदेशी भावना का प्रचार आकाश कुसुम सूंघने का प्रयास करना है।

हिंदी के महत्व को समझकर हमें इसे बचाने और बढ़ावा देने का प्रतिबद्ध रहना चाहिए. हमें विद्यालयों, कार्यालयों, न्यायालयों और समाज में हिंदी का उचित प्रयोग करना चाहिए ताकि यह भाषा हमें हमेशा जोड़े रहे और हमारी राष्ट्रीय भाषा के रूप में आगे बढ़ सके.इसी तरह, हिंदी दिवस हमें हमारे देश के सांस्कृतिक धरोहर के प्रति समर्पित और जागरूक बनाता है, और हमें यह याद दिलाता है कि हमारी मातृभाषा हमारी गर्व और पहचान का प्रतीक है।

(लेखक प्रखर वाणी के धनी और संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य हैं। वर्तमान में मड़ावरा जिला ललितपुर में चातुर्मासरत हैं)

इंडिया गठबंधन के हर दल को ध्यान रखना होगा

विनीत नारायण

समाजवादी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन के पिछले कुछ अनुभव अच्छे नहीं रहे। इसलिए और भी सावधानी बरतनी होगी। क्योंकि अखिलेश यादव में इतना बड़प्पन है कि वे अपनी कटु आलोचक बुआजी बहन मायावती से भी संबंध सुधारने में सद्भावना से पहल कर रहे हैं। यही नीति ममता बनर्जी, उद्धव ठाकरे, शरद पवार व लालू यादव आदि को भी अपनानी होगी। तभी ये सब दल भारतीय लोकतंत्र को मज़बूत बना पायेंगे। जून 2024 के चुनाव परिणामों के बाद राहुल गांधी का ग्राफ काफ़ी बढ़ गया है। बेशक इसके लिए उन्होंने लम्बा संघर्ष किया और भारत के आधुनिक इतिहास में शायद सबसे लम्बी पदयात्रा की। जिसके दौरान उन्हें देशवासियों का हाल जानने और उन्हें समझने का अच्छा मौक़ा मिला। इस सबका परिणाम यह है कि वे संसद में आक्रामक तेवर अपनाए हुए हैं और तथ्यों के साथ सरकार को घेरते रहते हैं। किसी भी लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए पक्ष और विपक्ष दोनों का मज़बूत होना ज़रूरी होता है। इसी से सत्ता का संतुलन बना रहता है और सत्ताधीशों की जनता के प्रति जवाबदेही संभव होती है। अन्यथा किसी भी लोकतंत्र को अधिनायकवाद में बदलने में देर नहीं लगती। आज राहुल गांधी विपक्ष के नेता भी हैं। जो कि भारतीय संवैधानिक व्यवस्था के अन्तर्गत एक अत्यंत महत्वपूर्ण पद है। जिसकी बात को सरकार हल्के में नहीं ले सकती। इंग्लैंड, जहां से हमने अपने मौजूदा लोकतंत्र का काफ़ी हिस्सा अपनाया है, वहाँ तो विपक्ष के नेता को %शैडो प्राइम मिनिस्टर' के रूप में देखा जाता है। उसकी अपनी समानांतर कैबिनेट भी होती है, जो सरकार की नीतियों पर कड़ी नज़र रखती है। ये एक अच्छा मॉडल है जिसे अपने सहयोगी दलों के योग्य नेताओं को साथ लेकर राहुल गांधी को भी अपनाना चाहिए। आपसी सहयोग और समझदारी बढ़ाने के लिए, ये एक अच्छी पहल हो सकती है। राहुल गांधी को विपक्ष का नेता बनाने में %इंडिया गठबंधन' के सभी सहयोगी दलों, विशेषकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की बहुत बड़ी भूमिका रही है। उत्तर प्रदेश से 37 लोक सभा सीट जीत कर अखिलेश यादव ने राहुल गांधी को विपक्ष का नेता बनने का आधार प्रदान किया। आज समाजवादी पार्टी भारत की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। ऐसे में अब राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी का ये नैतिक दायित्व है कि वे भी अखिलेश यादव जैसी उदारता दिखाएं जिसके कारण कांग्रेस को रायबरेली और अमेठी जैसी प्रतिष्ठा की सीटें जीतने का मौक़ा मिला। वरना उत्तर प्रदेश में कांग्रेस संगठन और जनाधार के मामले में बहुत पीछे जा चुकी थी। अब महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनाव हैं, जहां कांग्रेस सबसे बड़े दल की भूमिका में हैं। वहाँ उसे समाजवादी पार्टी को साथ लेकर चलना चाहिए और दोनों राज्यों के चुनावों में समाजवादी पार्टी को भी कुछ सीटों पर चुनाव लड़वाना चाहिए। महाराष्ट्र में तो समाजवादी पार्टी के दो विधायक अभी भी थे।

मन की शुद्धि सिखाता है-उत्तम तप धर्म

तप से सभी कर्मों का नाश होता है

डॉ. सुनील जैन

आज दसलक्षण महापर्व के अंतर्गत सातवां दिन उत्तम तप धर्म की आराधना

का है। तप वही है जहाँ विषयों का निग्रह हो।'इच्छा निरोधस्तप:' अर्थात इच्छाओं का निरोध/ अभाव /नाश करना, तप है। वह तप जब आत्मा के श्रद्धान (सम्यग्दर्शन) सहित/पूर्वक होता है, तब 'उत्तम तप धर्म' कहलाता है। प्रवचनसार जी में भी आचार्य भगवन यही कहते हैं कि — भावों में समस्त इच्छाओं के त्याग से स्वस्वरूप में प्रतपन करना , विजयन करना सो तप है। कहने का तात्पर्य यही है कि जिन भावों से मोह-राग-द्वेष रूपी मैल और शुद्ध ज्ञान दर्शन मय आत्मा भिन्न-भिन्न हो जाये वही सच्चा तप है। एक मात्र तप ही वह कारण है जो कर्म रूपी शिखर को भेदने में समर्थ हैं। यद्यपि सम्यक प्रकार से तप तो मुनिराजों को ही होता है , लेकिन श्रावकों को भी शक्ति अनुसार इन तपों की भावना भानी चाहिए। क्यों कि संयम की तरह तप भी चारों गतियों में से मात्र मनुष्य गति में ही संभव है। नरक और तिर्यंच गति में तो दुख की प्रधानता है , लेकिन देवगति में तो जीव को सर्वसुविधायें मिलती है , लेकिन फिर भी वे जीव उत्तमतप धारण करने के लिये तरसते हैं।

जिस प्रकार अग्नि का एक तिनका भी बड़े से बड़े घास के ढ़ेर को जला देता है , उसी प्रकार सम्यक तप पूर्व संचित कर्मों के ढ़ेर को जलाकर भस्म कर देता है। संसार शरीर और भोगों से विरक्ति भी तप से ही होती है।

बारस अणुवेक्खा ग्रंथ में तप का स्वरूप बताते हुये आचार्य कहते हैं -

पाँचों इन्द्रियों के विषयों तथा चारों कषायों को रोककर शुभध्यान की प्राप्ति के लिये जो अपनी आत्मा का विचार करता है , उसके नियम से तप होता है।

धवला जी में आचार्य वीरसेन स्वामी कहते हैं ङ्क तिण्णं रयणाणमाविब्भावट्ठमिच्छाणिरोहो।

अर्थात् तीनों रत्नों को प्रगट करने के लिये इच्छाओं के निरोध को तप कहते हैं।

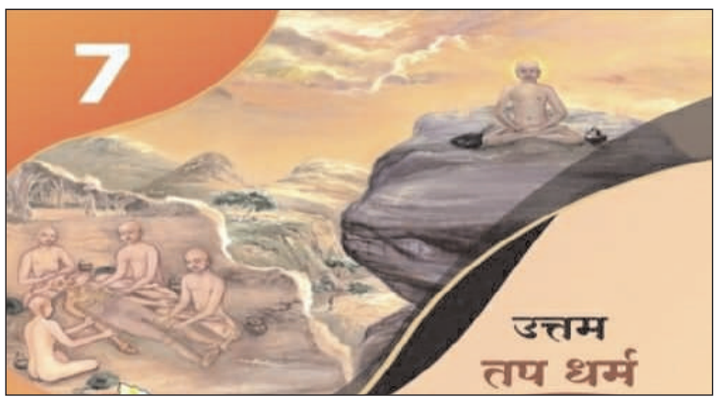

मन की शुद्धि सिखाता है - उत्तम तप धर्म। मलीन वृत्तियों को दूर करने के लिए जो बल चाहिए, उसके लिए तपस्या करना।तप का मतलब सिर्फ उपवास, भोजन नहीं करना सिर्फ इतना ही नहीं है बल्कि तप का असली मतलब है कि इन सब क्रिया के साथ अपनी इच्छाओं और ख्वाहिशों को वश में रखना। तप का प्रयोजन है मन की शुद्धि! मन की शुद्धि के बिना काया को तपाना या क्षीण करना व्यर्थ है। तप से ही आध्यात्म की यात्रा का ओंकार होता है।

अपनी इच्छाओं को वश में रखना ही सबसे बड़ा तप है ।

जिन भावों से मोह-राग-द्वेष रूपी मैल और शुद्ध ज्ञान दर्शन मय आत्मा भिन्न-भिन्न हो जाये वही सच्चा तप है। एक मात्र तप ही वह कारण है जो कर्म रूपी शिखर को भेदने में समर्थ हैं।

तप के भेद-अंतरंग और बहिरंग के भेद से तप के बारह भेद हैं।

अंतरंग तप : प्रायश्चित, विनय , वैयावृत्य , स्वाध्याय , व्युत्सर्ग और ध्यान। बहिरंग तप : अनशन , अवमौदर्य , वृत्ति परिसंख्यान , रसपरित्याग , विविक्त शय्यासन , कायक्लेश।

तप की महिमा इतनी है, कि सुरराज (इंद्र) भी इसको करने के लिए लालायित रहते हैं क्योंकि यह कर्म-रूपी शिखर (पर्वत) को तोड़ने के लिए वज्र के समान है।

जिस प्रकार बिना बर्तन तपे दूध गर्म नहीं होता उसी प्रकार बिना बाह्य तप के अन्तरंग शुद्धि नहीं होती।जिस प्रकार अग्नि से तपाया गया स्वर्ण पाषाण शुद्ध हो जाता है, उसी प्रकार कर्ममल से मलिन आत्मा तप रुपी अग्नि से शुद्ध हो जाता है।

यह जन्म मौज-मस्ती आदि के लिए नहीं, जन्म-जन्म के दुखों से मुक्ति की प्राप्ति की तैयारी करने के लिए मिला है। यदि इसे यूँ ही गँवा दिया, तो फिर से इसकी प्राप्ति कठिन है और फिर अनंत काल के लिए संसार में रुलना पड़ेगा। अत: शीघ्र ही 'उत्तम तप धर्म' धारण करने योग्य है।

प. दोलतराम जी ने लिखा है -

कोटि जन्म तप तपे ज्ञान बिन कर्म झरे जे ज्ञानी के छीन माही त्रिगुप्ति ते कर्म सहज टरे जे।

तप की महिमा अपरंपार है मुक्ति जब भी मिलेगी तपस्या से ही मिलेगी । तप के पीछे रहस्य छुपा है जो हमारे एक एक विकार को दूर कर दे वही है तपस्या।

जाप मंत्र : ? हीं उत्तमतपोधर्मांगाय नम:

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, शनिवार 14 सितंबर 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

सत्य ही जीवन का श्रृंगार : आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज

नांदणी मठ/महाराष्ट्र (विश्व परिवार)। पर्वराज पर्युषण महापर्व पर आयोजित श्रावक संयम संस्कार शिविर में सम्बोधन करते हुए चर्या शिरोमणी आचार्य विशुद्धसागर जी महाराज ने कहा कि सत्य धर्म है, सत्य सौन्दर्य है, सत्य श्रृंगार है, सत्य शिव है, सत्य सुन्दर है, सत्य मंगल है, सत्य उत्तम है, सत्य शरण है, सत्य व्रत है, सत्य महाव्रत है। सत्य सज्जनों का श्रृंगार है। सत्य सज्जनों, कुलीन पुरुषों की कुल विद्या है। सत्य में शान्ति है, सत्य में आनन्द है, सत्य में सुख है, सत्य में यश है। सत्य में उमंग होती है। सत्य स्तुत्य होता है। सत्य वंदनीय है। सत्य धर्म का मूल है।

असत्य अनर्थकारी है। असत्य अधर्म है। असत्य विनाशकारी है। असत्य हिंसक है। असत्य अवनति का कारण है। असत्य दुःख-दाता है। असत्य अपयश का कारण है। असत्य अविश्वास को जन्म देता है। असत्य कुलहीनों की पहचान है। असत्य दण्डनीय है। असत्य पाप है। असत्य दुर्गति का कारण है। सत्यजानो, सत्य मानो सत्य स्वरूप में बोलना सीखो। सत्य ब्रह्म, सत्य प्राण, सत्य शून्य शब्द मृत, सत्य बोलना सत्य पर चलना, सत्य विचार वही है भविष्य का भगवान्। सत्यवादी का सर्वत्र सम्मान होना है। सत्यवादी सिद्धियों को शीघ्र ही साध लेता है। सैन्य संकट में आ सकता है, परन्तु सत्य की ही विजय होती है। सत्य संयमियों का मूलगुण है। सत्य वह चक्र है जिसके बल पर सर्व-संकटों पर विजय प्राप्त की जा सकती है। सत्य का जीवन जीने के लिए सत्य को जानना पड़ेगा।

सत्य जाने बिना सत्यपूर्ण जी नहीं सकते। जीवन में अशांति असत्य से ही प्रारम्भ होती है। एक झूठ को छुपाने के लिए कषायी पाँचों पाप में प्रवृत्त हो जाता है। असत्य प्रकट न हो जाय, इसलिए व्यक्ति मायाचारी के साथ सैंकड़ों झूठ बोलकर भी बचना चाहता है। झूठवचन, झूठा दिखावा इंसान को हैवान बना देता है। सुख, शान्ति की चाह है, तो ढोंग का जीवन छोड़ो, ढंग से जीवन जीना प्रारम्भ करो। ढोंग का जीवन कृतिम फूल वत् होता है। दांगी घुणे अन्न के समान होता है। दिखाना दिवाला निकाल देता है। असत्य से प्रारम्भ कार्य असफलता पर पूर्ण होता है। जिस सत्य के खोलने पर किसीकेप्राण चले जायें, कोई संकट में आ जाये, वह सत्य भी असत्य है। वह असत्य भी सत्य है, जिससे किसी के प्राणों की रक्षा हो। झूल बोलने वाले पर उसकी माँ भी विश्वासनहीं करती है। सुठ बोलने वाला, घर, राज्य एवं राष्ट्र का शत्रु होता है। हिंसक कभी सत्य-भाषी नहीं हो सकता है।

यश का लोभी, धन का लोभी पंथों सम्प्रदाओं का लोभी मायाचारी, क्रोधी मानी पापी अहंकारी भयभीत, कामी, कषायी, व्यसनी, मद्यपायी, जुआरी व्यक्ति कभी सत्य नहीं बोल सकता है। अपनी आन, वान, शान की रक्षा करो। अग्नि में सत्य को डाला जा सकता है, परन्तु सत्य को भहम नहीं किया जा सकता है। एक झूठ सम्पूर्ण-यश को धूमिल कर देता है। असत्य से सत्ता प्राप्त की जा सकती है, परन्तु शान्ति नहीं पा सकते हो। झूठ कभी छिपता नहीं। जैसे रूई में अग्नि नहीं छिपती है, वैसे ही पापी का असत्य लोक में शीघ्र ही प्रकाशित हो जाती है। असत्य का जीवन अधिक दिन नहीं चलता है। जो सत्य को जान लेता है, जो सत्य से परिचित हो जाता है, उसे कष्ट नहीं होता है। सत्यवादी को देवता भी प्रणाम करते हैं। सत्य सिद्धि का साधन है।

-अभिषेक अशोक पाटील

संयमपूर्ण जीवन का मतलब है स्वस्थ और व्यवस्थित तथा संतुलित जीवन शैली : मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज

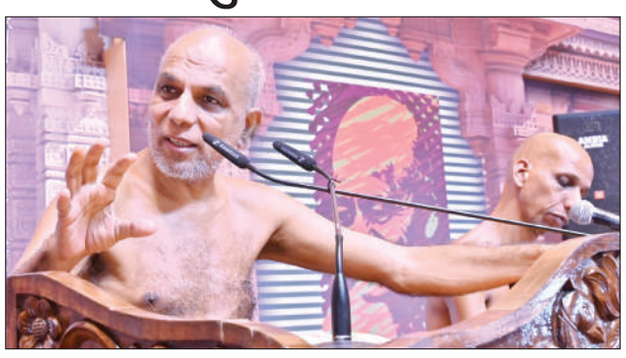

इंदौर (विश्व परिवार)। संयमपूर्ण जीवन का मतलब है स्वस्थ और व्यवस्थित तथा संतुलित जीवनशैली जैसे दीपक की लौ पर चिमनी रख दैने से लौ की सुरक्षा हो जाती है तथा प्रकाश बड़ जाता है, उसी प्रकार जिसकी अंतस चेतना में संयम रूपी प्रकाश जाग जाता है, उसका जीवन सम्हल जाता है।इस जीवन ज्योत की चंचलता को रोकने तथा उसे स्थाई और घनीभूत बनाये रखने के लिये मन से संयम धारण किया जाता है, जैसे अभी आप सभी की दिनचर्या और तौर तरीका बदल गया है, उस तपस्या का कोई अर्थ नहीं, जिसमें मन का संयम न हो मन की साधना ही सबसे बड़ी साधना है जो जीवन की धारा को एक निश्चित दिशा और नियंत्रित वेग में प्रवाहित करती है। उपरोक्त उदगार मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने प्रात:कालीन धर्म सभा में पर्वराज पर्युषण के छटे दिवस सुगंध दशमी को उत्तम संयम दिवस पर व्यक्त किये।मुनि श्री ने कहा कि आप लोगों ने अभी अपनी प्रवत्ति को बदला है यह प्रवत्ति मात्र दस दिनों तक ही सीमित न रहे इसे स्थाइत्व प्रदान करने के लिये अपनी मनोवृत्ति को बदलना होगा उन्होंने कहा कि प्रवत्ति तो सबको दिखती है लेकिन मनोवृत्ति में आप कितने संयमी हो यह तो आप खुद ही जानते है असली संयम तो मन का है, मन को नियंत्रण में लाने के लिये मन को दिशानिर्देश दें और उन उन कार्यों का निषेध करें जो आपकी आत्मा को मलिन करते है। मुनि श्री ने कहा कि निषेध में आकृषण होता है जिस बस्तु का या गलत आदतों का आप निषेध करते हो, वह बस्तु या आदतें बारबार आपके चित्त को मलिन करती है, इसलिये अपने भीतर ऐसीजागरुकता जगाओ जिससे यह पर्यूषण आपकी जिंदगी में एक सबक बन जाऐ।उन्होंने कहा मन को मनाना बड़ा कठिन है वह अकेले निषेध से मानने बाला नहीं है मन को नियंत्रण में लाने के लिये खुद को खुद का मार्गदर्शन दैना पड़ेगा फिर भी न माने तो गुरु बचनों को याद कर सही दिशा निर्देश से आप अपने मन को नियंत्रण में ला सकते है, जिसका मन नियंत्रण में आ जाता है उसके जीवन में परम विशुद्धि आ जाती है, ध्यान रखना विशुद्धि से ही सिद्धी होती है। धर्म प्रभावना समिति के प्रचार प्रमुख एवं प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं राहुल जैन (स्पोर्ट्स)ने बताया 14 सितंवर शनिवार को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव एवं उनके मंत्रीमंडल के सदस्य गण सांयकाल 5:30 बजे चातुर्मास स्थल पर पधार कर मुनि संघ से आशीर्वाद के साथ हेल्थ आंफ इंदौर कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे इस अवसर पर स्थानीय सांसद श्री शंकर ललवानी भी उपस्थित रहेंगे।धर्मप्रभावना समिति के अध्यक्ष अशोक अशोक डोसी महोत्सव अध्यक्ष नवीन गोधा महामंत्री हर्ष जैन, आनंद गोधा सहित सभी पदाधिकारियों ने सभी से आग्रह कर समय से पधारने की अपील की है। **-अविनाश जैन**

संक्षिप्त समाचार

संलेखना कर अपने जीवन को सफल किया शांतिसागर जी महाराज ने

हैदराबाद (विश्व परिवार)। जैन कुल में जन्म विरलों को ही नसीब होता है लेकिन इस कुल में जन्म लेकर भी बहुत कम लोग अपने जीवन को सार्थक कर पाते हैं। ऐसा कर दिखाया है 65 वर्षीय मुनि श्री शं सागर महाराज जी ने जिन्होंने एक साल पहले ही गृहस्थ जीवन त्याग कर मोक्ष मार्ग की तरफ कदम बढ़ाया था। वह उन पुण्यात्माओं में से एक थे जिन्होंने अपने अंतिम समय में साधना रत होकर उच्च कोटि का समाधि मरण किया है और अपने जन्म को सफल बनाया है। मुनि श्री शांतिसागर महाराज बने डॉ. कमलेश चंद्र जैन गृहस्थ अवस्था में वैटरनरी डॉक्टर थे। पशुओं की चिकित्सा कर उन्हें रोगमुक्त करते थे लेकिन 60 वर्ष की उम्र में जब ये मूंह के कैंसर से पीड़ित हुए तो अपना अंतिम समय करीब जानकर इन्होंने भगवान की शरण में जाना उचित समझा और आचार्य श्री विभव सागर महाराज जी से 25 अक्टूबर 2023 को क्षुल्लक दीक्षा ली। कैंसर की पीड़ा को झेलते हुए भी इन्होंने बहुत ही सहज और शांतिपूर्वक इस संयम पथ के सभी व्रत और नियमों को पूरा किया और बिना कोई इलाज कराये मन में दृढ़ता रख वैराग्य को मजबूत किया। 5 सितंबर 2024 को आचार्य श्री विभव सागर जी के कर कमलों से मुनि दीक्षा लेकर सल्लेखना ली व 8 सितंबर को पूरी चैतन्य अवस्था में बोरीवली मुंबई में समाधि ले ली। मध्यप्रदेश के भिंड के मेहगांव में जन्मे कमलेश बहुत ही धार्मिक स्वभाव के थे और बहुत कम आयु में ही ये मंदिर में शास्त्रों का प्रवचन करने लगे। तभी से इनके मन में यह भावना थी कि अपने जीवन के कल्याण के लिये कुछ करना है। लेकिन गृहस्थ अवस्था में रहते हुए इन्होंने परिवार के प्रति अपने सभी फर्जों को पूरा किया और अंतिम समय निकट जानकर ही इस सांसारिक मोह माया से हमेशा के लिए संन्यास लिया। मुनि श्री में वैराग्य की भावना कितनी प्रबल थी कि कैंसर की असाध्य बीमारी को अंतिम समय का अलार्म माना जन्म मरण के बंधन से मुक्त हो जाने की राह पर चल पड़े। अभी इनके परिवार में इनकी धर्मपत्नी और दो बेटियां व एक बेटा है। ये सभी गृहस्थी के साथ साथ धार्मिक कार्यों में भी रुचि रखते हैं। **-स्वाती जैन**

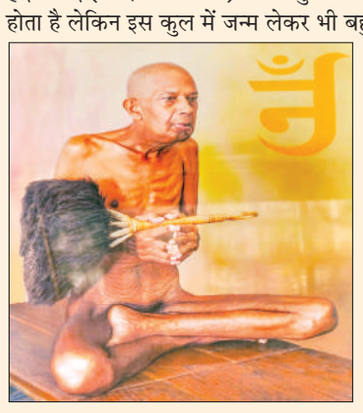

पर्यूषण पर्व का छठवा दिन उत्तम संयम धर्म कहलाता है: पं. मनोज शास्त्री जी

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। पर्यूषण पर्व का छठवा दिन उत्तम संयम धर्म कहलाता है। संयम से अभिप्राय बाहर से आए हुए पंडित मनोज शास्त्री जी ने कहा संयम एक अभ्यास है जहां हम अपनी इच्छा शक्ति का विश्लेषण करते हैं और इंद्रियों पर नियंत्रण रखते हैं। आज के दिन श्री जी के शांति धारा करने का सौभाग्य पार्वती देवी, पंडित धन प्रसाद जी, ऋषभ, विपिन, अजीत, निश्चय परिवार अचल, मचल, आशीर्वाद को प्राप्त हुआ प्रथम 4 कलश से श्री जी का अभिषेक करने का सौभाग्य लेखचंद जी अभिषेक जी, संजय जैन जी (सोनाडीह) वाले आदि, प्रवीण जैन, रचित, हर्षित, चयन, नितिन जैन को प्राप्त हुआ। शाम की महा आरती करने का सौभाग्य कपूर चंद- निर्मला देवी जैन एवं परिवार सुधीर, अजीत, अमित, सुमित जैन को प्राप्त हुआ। यह सौभाग्य की बात है कि आज का दिन धूप दशमी का दिन है।जैन समाज के अध्यक्ष दिनेश जैन, पंडित धन प्रसाद जी, संरक्षक अशोक जैन, समाज के सचिव अमित जैन, पूर्व सचिव संदीप जैन युवराज जैन, समाज के उपाध्यक्ष संजय जी (मटरू काका) मनोज जैन एवं महिला मंडल आदि सभी के उपस्थिति के बीच नए मंदिर निर्माण के अध्यक्ष दिलीप जैन ? ने कहा संयम धर्म, मनुष्य की इच्छा अनंत है यही उसके दुख का कारण बनती है इसलिए इंद्रियों पर नियंत्रण संयम धर्म है। शाम की महा आरती और पंडित जी के प्रवचन में समाज के महिला मंडल खासकर बच्चों का रुझान दिख रहा है सांस्कृतिक कार्यक्रम में त्रिशला नंदन की टीम का काफी योगदान है और उनके कार्यक्रम की सराहना भी हो रही है। वह छोटे बच्चों को स्टेज पर लाकर भविष्य के लिए तैयार कर रहे हैं। **-विद्याधर तिवारी**

दसलक्षण महापर्व के छटवें दिन पर उत्तम संयम धर्म का विशेष आयोजन चल रहे चातुर्मास में प्रतिदिन- उत्तम संयम धर्म

औरंगाबाद (विश्व परिवार)। दसलक्षण महापर्व के छठवें दिन को उत्तम संयम धर्म के रूप में हर्षोल्लास से मनाया गया। तेलंगाना के मेदक जिले में स्थित श्री 1008 विघ्नहर पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, कुलचारम में चल रहे चातुर्मास के दौरान साधना शिरोमणि अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागरजी महाराज के आशीर्वाद से इस विशेष दिन का आयोजन किया गया। उपाध्याय श्री 108 पियूष सागरजी महाराज के निर्देशन में भक्तों ने संयम धर्म की महत्ता को समझा और पालन किया।

इस पवित्र अवसर पर दिन की शुरुआत प्रात:कालीन पूजा से हुई। इसके बाद, 24 तीर्थंकरों की जिनआराधना और भगवान पार्श्वनाथ का मंगल अभिषेक संपन्न हुआ। भक्तों ने इस धार्मिक आयोजन में गहरी श्रद्धा और भक्ति के साथ भाग लिया। संयम धर्म के प्रति समर्पण और तप की भावना को जागृत करते हुए कई श्रावकों ने उपवास और व्रत का पालन किया।

उपवास व्रत साधना के अंतर्गत, इस दिन विशेष रूप से मुक्तावली व्रत का समापन उपाध्याय श्री पियूष सागरजी महाराज और मुनि श्री 108 परिमल सागरजी महाराज के नेतृत्व में हुआ। इसके साथ ही, त्रिलोक सार व्रत कर रहे गुरुदेव अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागरजी महाराज का भी महापारणा संपन्न हुआ। इस अवसर पर सैकड़ों गुरुभक्तों ने पारणा का लाभ प्राप्त किया और व्रतधारियों को धार्मिक अनुष्ठानों के पश्चात, गौग्रास सेवा और बंदर ग्रास किया गया, जिसमें हर्ष और उत्साह के साथ। संयम धर्म की पूजा विधि और तत्त्वार्थ सूत्र पर अंतर्मना आचार्य श्री के मुखारविंद से विशेष वचन हुए, जिनमें संयम के महत्व और उसकी जीवन में आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

मध्यान्ह में प्रवर्तक मुनि श्री सहज सागरजी महाराज द्वारा तत्त्वार्थ सूत्र का वाचन और गुरुपूजन हुआ। संयम धर्म के प्रति जागरूकता फैलाने और इसे जीवन में अपनाने की प्रेरणा देने के लिए ये अत्यंत प्रभावशाली रहे।

दिन के अंतिम चरण में संध्याकाल में श्रावक प्रतिक्रमण का आयोजन हुआ, जिसमें भक्तों ने अपने दिन भर के विचारों और कार्यों की समीक्षा की। इसके बाद गुरुभक्ति के भावपूर्ण प्रवचन और 24 तीर्थंकरों के नाम व चिन्हों के माध्यम से संयम धर्म की महत्ता को समझाया गया। अंत में, मंगल आरती के साथ इस पावन दिवस का समापन हुआ, जिसमें सभी भक्तों ने संयम और अनुशासन को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संकल्प लिया। इस प्रकार, उत्तम संयम धर्म का यह विशेष दिन भक्तों के लिए आध्यात्मिक उन्नति और आत्मसंयम के संदेश को फैलाने वाला सिद्ध हुआ।

-नरेन्द्र अजमेरा, पियूष कासलीवाल

संत समागम संयम से आत्मिक उन्नति होती है संयम से जीवन उन्नति को प्राप्त होता है : आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

पारसोला (विश्व परिवार)। पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज पारसोला में संघ सहित 56 वा चातुर्मास कर रहे हैं। सुगंध दशमी के दिन नगर के सभी जिनालयों में आचार्य संघ के सानिध्य में अष्ट कर्म विनाश हेतु धूप का खेवन किया गया। धर्म सभा में प्रवचन में आचार्य श्री ने बताया कि नदी के दो तट होते हैं तट नहीं होने से नदी असंयमित होकर क्षति करती है प्रकार मानव के जीवन में इंद्रीय और प्राणी संयम दो तट है जीवन इसी से चलता है जिस प्रकार पानी को एचपी मोटर पंप की सहायता से तीसरी चौथी मंजिल तक पहुंचाया जाता है उसी प्रकार इन्द्रिय संयम से मनुष्य का जीवन ऊंचा उठाया जाता है। अपने मानव जीवन जिन धर्म प्राप्त किया है, । ब्रह्मचारी गजू भैया, राजेश पंचोलिया अनुसार आचार्य श्री ने प्रवचन में आगे बताया कि हमारे जीवन में संयम से सुख मिलता है। घर के बड़े बच्चों को संस्कार देते हैं।

आचार्य श्री ने बताया कि इन्द्रिय के विषयों के उपयोग में सावधानी रखें। आज अक्षय, सुगंध दशमी का व्रत है बहुत से व्यक्ति शक्ति अनुसार पांच, 10 16 उपवास, 32 उपवास कर रहे हैं उपवास से संयम की पालना होती है उपवास सही में वृद्धि करने के लिए किया जाता है संयम से जीवन ऊपर उठता है। संयम से जीवन में शक्ति में वृद्धि होती है। संत समागम से संयम व्रत की प्रेरणा मिलती है। संत समागम संयम से आत्मिक उन्नति होती है। सौभाग्यशाली परिवार परिवारों द्वारा पूर्वाचार्यों के चित्र का अनावरण कर दीप प्रज्ज्वलित कर आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज के चरण प्रक्षालन कर जिनवाणी भेंट की गई।

दुनिया की प्रशंसा और आलोचना दोनों को स्वीकार करें, फूलों को खिलने धूप और बारिश दोनों की जरूरत होती है : पं. नितिन जैन

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री दिगम्बर जैन खंडेलवाल मंदिर जी, सन्मति नगर, फाफाडीह, रायपुर में पर्वाधिराज दषलक्षण महापर्व के पावन अवसर पर छठे दिन उत्तम संयम धर्म की आराधना की गई। प्रात:काल भक्तों ने मंदिर जी में इन्द्रों की वेषभूशा में अभिशेक षांतिधारा से लेकर पर्व पूजाएं कर धर्मलाभ लिया। आज उत्तम सत्य धर्म के दिन श्री महावीर स्वामी के समक्ष मूल वेदी में षांतिधारा का सौभाग्य श्री जिनेन्द्र कुमार-राजश्री जी, जयेष-रिमझिम, जियांष, रायषा पाटनी परिवार को प्राप्त हुआ।

समिति के अध्यक्ष अरविंद बड़जात्या ने बताया कि शश्ठम दिवस में प्रथम तल में भगवान पार्ष्वनाथ की वेदी पर षांतिधारा का सौभाग्य भगवान पार्ष्वनाथ के सभी भक्तों को सामूहिक रूप से प्राप्त हुआ। भगवान मुनिसुव्रतनाथ की वेदी पर षांतिधारा श्री निलेष जी गर्वित कासलीवाल द्वारा की गई।

संध्या समय श्रीमती उशा लोहाड़िया एवं श्रीमती वर्शा सेठी के निर्देषन में श्रावक प्रतिक्रमण कराया जा रहा है। साथ ही श्रावकों को णमोकार मंत्र के माध्यम से अपना सुरक्षा कवच बनाना भी सिखाया गया।

पूर्व संध्या पर आयोजित षास्त्र सभा में स्थानीय विद्वान पं. नितिन जैन 'निमित्त' ने बताया ङ्क भारत के सभी संतों ने धर्म का उपदेश देते हुए एक स्वर में यही कहा. ष्असतो मा सद्गमयष् अर्थात् असत्य से मुझे सत्य की ओर ले चलो क्योंकि धर्म सत्य में ही समाहित है। सत्य को भगवान कहा गया है। कहा गया है कि समग्र वेदों का पठन और समस्त तीर्थों का स्नान सत्य के सोलहवें भाग की भी बराबरी नहीं करता। जिन्होंने सत्य का त्याग कर झूठ की शरण ली उन्होंने अपना जन्म जुए में हार दिया है।

आज का व्यक्ति तर्क देता है कि झूठ बोले बिना काम नहीं चलता परन्तु यथार्थता यह है कि व्यवहार में सत्य बोले बिना काम नहीं चलता। यदि कोई एक दिन के लिए सत्य का त्याग करे तो सारा व्यवहार उसका ठप्प हो जाएगा। मान लीजिएए स्टेशन से घर जाना है तो रिक्शे वाले को सही पता बताना होगा। डॉक्टर को सही हाल बताना पड़ेगा। पत्र पर सही पता लिखना पड़ता है। चेक पर सही हस्ताक्षर करने पड़ते हैं। यानी जीवन के प्रत्येक अंश में सत्य पिरोया हुआ ही है। सत्य जीवन का मूल और साधना का प्राण है। इतना जरूर है कि सत्य सदैव कड़वा होता है और सत्य पर चलने वालों की परीक्षा जरूर होती है। सत्य की चुभन बड़ी तीखी है जो तन.मन को घायल कर देती है और सत्य की कसौटी बड़ी कठिन है जो काँटों से जिगर को भर देती है।

लोगों का सोचना यह है कि सच बोलना बड़ा कठिन है पर असलियत तो यह है कि सच बोलना बड़ा सहज है। सच इतना सहज है कि मुँह से सहसा निकल जाता है। सच मुँह से निकल जाता है कोशिश नहीं करता। शोला है भड़कने की गुजारिश नहीं करता। सत्य वह दौलत है जिसे पहले खर्च करो और जिंदगी भर आनंद पाओ और झूठ वह कर्ज है जिससे क्षणिक सुख पाओ और जिंदगी भर चुकाते रहो? दुनिया की प्रशंसा और आलोचना दोनों को स्वीकार करे फूलों को खिलने के लिए धूप और बारिश दोनों की जरूरत होती है !! सबसे खराब समय को झेलने वाला सबसे अच्छे भविष्य का निर्माण करता है!

उत्तम संयम धर्म दिवस पर सुगंध दशमी के दिन भिलाई के सभी जिन मंदिरों में भक्त धूप खेने पहुंचे

भिलाई (विश्व परिवार)। आज 10 लक्षण धर्म के उत्तम संयम धर्म दिवस के अवसर पर श्री त्रिवेणी जैन तीर्थ सेक्टर 6 भिलाई में 1008 सुमति नाथ भगवान जी 1008 पार्श्वनाथ भगवान 1008 आदिनाथ भगवान 1008 श्री अभिनंदन नाथ भगवान जी समवसरण स्थल में जितेंद्र भगवान के मंगल अभिषेक और शांति धारा भक्तों ने किया जहां शांति धारा का अनेक भक्तों ने धर्म लाभ लिया।

परम पूज्य आचार्य 108 श्री विद्यासागर महाराज जी परम पूज्य आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज जी के छाया चित्र के समक्ष मंगलदीप प्रज्वलित भक्तों ने किया। आज दोपहर में हजारों की संख्या में भिलाई के . समस्त दिगंबर जैन मंदिरों में जहां श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर त्रिवेणी जैन तीर्थ सेक्टर 6, श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर वैशाली, श्री नेहरू नगर, पार्श्वनाथ धाम, श्री मल्लिनाथ दिगंबर जैन मंदिर रिसाली, श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर रूआबांदा, श्री त्रिवेणी जैन तीर्थ में भक्तों ने सुगंध दशमी व्रत के अवसर पर धूप खेवन की क्रिया के साथ संयम धर्म के नियम का पालन किया।

-प्रदीप जैन बाकलीवाल

पर्यूषण पर्व में धार्मिक अनुष्ठान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

दशलक्षण महापर्व के छटवें दिन सुगंध दशमी पर किया उत्तम संयम को धारण

तालबेहट/ललितपुर (विश्व परिवार)। सिद्ध क्षेत्र पावागिरि सहित कसबे के दोनों जैन मंदिरों में पर्यूषण महापर्व में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों से धर्म प्रभावना हो रही है। सुबह नित्यमय अभिषेक के उपरांत विश्व शांति की मंगल कामना के साथ मंत्रोच्चार के मध्य शांतिधारा, पूजन विधान का आयोजन भव्यता के साथ किया गया। सुबह से ही केसरिया वस्त्र धारण कर अष्टद्रव्य का थाल लेकर पुरूष महिलाएँ एवं बच्चे मंदिर जी पहुंचे एवं भक्ति भाव से छटवें दिन सुगंध दशमी महापर्व मनाया गया एवं चारों कषाय को छोड़कर सत्य को अंगीकार कर संयम को धारण किया एवं भक्ति भाव से धर्म की आराधना की। कसबे के पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में अमन भैया सांगानेर के नेतृत्व और गंगाराम एन्ड पार्टी के मधुर संगीत में एवं वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर में पं. संतोष कुमार ललितपुर के निर्देशन और हरिशंकर शर्मा एन्ड पार्टी के मधुर संगीत में भक्ति भाव के साथ विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किये गये, जिसमें धर्मावलम्बियों ने बढ़कर भाग लिया। दोपहर की बेला में महिलाओं ने अग्नि में धूप समर्पित कर सुगंध दशमी पर्व मनाया एवं एक दूसरे सुहाग की वस्तुएँ भेंट की। सायं काल की बेला में संगीतमय आरती के उपरांत शास्त्र प्रवचन के माध्यम से विद्वानों ने दसलक्षण धर्म के महत्व पर प्रकाश डाला। धर्म श्रेष्ठियों ने आचार्य विद्यासागर महाराज के चित्र का अनावरण कर ज्ञान दीप प्रज्वलित किया। पंडित संतोष कुमार जैन ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा चारों कषाय के रहते कितने भी धार्मिक अनुष्ठान कर लें कभी आत्मा का कल्याण नहीं हो सकता जैसे यदि कुएँ में पड़े सड़े गले कुत्ते को निकाले बिना कितने भी जतन कर लिये जायें उसका पानी शुद्ध नहीं हो सकता। उन्होंने कहा की संयम के बिना मनुष्य पशु के समान है, संयम का मूल गुण होने के कारण ही मनुष्य श्रेष्ठ होता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में ज्ञानचंद्र पुरा, जयकुमार कन्धारी, उत्तमचंद्र भाड़रा, सनत कुमार, देवेंद्र जैन, अरुण मोदी, पुष्पेंद्र जैन, अशोक कुमार, प्रवीन भंडारी, अनिल कुमार, श्रेयांश जैन, डॉ. महेन्द्र जैन, वीरेंद्र कुमार, कमलेश जैन, महेंद्र कुमार, राजेंद्र जैन, प्रकाश चंद्र, राजीव कुमार, सुनील जैन, निर्मल कुमार, यशपाल, मेघराज जैन, राकेश कुमार, सुशील मोदी, प्रदीप एड, विकास पवा, चक्रेश कुमार, स्वतंत्र जैन, सजल मोदी, अलोक कुमार, अजय जैन अज्जू, शैलेश कुमार, रीतेश जैन, सुधीर कुमार, प्रवीण चौधरी, कपिल मोदी, प्रीतेश कुमार, हितेंद्र पवैया, अरविन्द कुमार, विकास भंडारी, जितेंद्र जैन बड़ौरा, धरणेन्द्र जैन, विशाल पवा, आकाश चौधरी, सौरभ जैन, आदेश मोदी, रोहित जैन, अनुराग मिठ्या, प्रिंस जैन, सुरेन्द्र कुमार अरविन्द जैन, विनय कुमार, नीलेश जैन, रुपेश भंडारी, अंजेश जैन, मनीष कुमार, अजय कुमार, अमन जैन, अभिषेक कुमार, आशीष जैन, शनि जैन, पियूष जैन, अमित कुमार, मिलनराज, राहिलराज, प्रमिलराज, अंकित जैन, पुनीत जैन, वैभव जैन, अर्पण जैन, पारस जैन, विनम्र कुमार, अक्षत जैन सहित मंदिर समिति एवं सकल दिगम्बर जैन समाज का सक्रिय सहयोग रहा। संचालन चौधरी अनिल कुमार जैन ने किया। आभार व्यक्त पावागिरि क्षेत्र प्रबंध समिति के ऑडिटर पंकज भंडारी ने किया।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर शनिवार 14 सितंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

घरेलू विवाद पर भाई ने कर दी भाई की हत्या

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। घरेलू विवाद को लेकर एक भाई ने दूसरे की गला दबाकर हत्या कर दी। मामले का खुलासा मृतक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद हुआ। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार छुरिया निवासी खेमू साहू पिता अशोक साहू को दिनांक 14 7.2024 को अत्यधिक शराब पीने के बाद शरीर में कोई हलचल न होने पर छुरिया अस्पताल ले जाया गया था। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। जिसके बाद मामले में मर्ग कायम कर मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवा गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने से खूलासा हुआ कि मृतक अशोक खेमू साहू की मृत्यु गला दबाने से हुई थी। जिसके बाद मामले की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियो को दी गई। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव मोहित गर्ग, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में पुलिस अनुविभागीय अधिकारी डोंगरगढ आशीष कुंजाम के प्रर्यवेक्षण में मृतक के परिजनों से पोस्टमार्टम में पाए तथ्यों के आधार परिजनों से पूछताछ किया गया। जिसमें संदेही महेंद्र साहू से कड़ाई से पुछताछ की गई तो उसने बताया कि मृतक खेमू शराब पीने का आदि था आए दिन शराब पीकर घर में विवाद करता था। हर दिन घर पर बनी सब्जी में नुक्स निकालता था कड़ाही में पानी डाल देता था। उसने बताया कि घटना दिनांक को भी घर में मुर्गा बना था किंतु वह बकरा खाऊंगा कहकर घर में विवाद करने लगा। जिसे लेकर उसके साथ भी मृतक का विवाद हुआ था। इस बात को लेकर आरोपी महेंन्द्र रंजिश पाले हुए था। घटना के दिन जब घर में कोई नहीं था तब मृतक खेमू अपने कमरे में शराब के नशे में अकेला था इस दौरान आरोपी ने हाथ मुक्के से मृतक के सीने में एवं गले में वार किया एवं गमछे से गला दबा दिया। तथा घरवालों को लगा कि खेमू अत्यधिक शराब पीने से बेहोश हो गया है और उसे ईलाज के लिए अस्पताल ले गये थे। मामले का खुलासा होने के बाद डोंगरगढ़ पुलिस ने गुरूवार को आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

अवैध शराब बिक्री करते एक व्यक्ति गिरफ्तार

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। जिले की डोंगरगढ़ पुलिस ने एक व्यक्ति को अवैध रूप से शराब विक्रय करते हुए गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से 19 पौवा अंग्रेजी शराब जब्त किया है। मामले में आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग, अति पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा व एसडीओपीडोंगरगढ़ श्री आशीष कुंजाम के दिशा-निर्देश में डोंगरगढ़ पुलिस द्वारा क्षेत्र में अवैध गतिविधियों, शराब कोचियों, सटोरियों, संदिग्ध व्यक्तियों, पॉकेटमार, चाकुबाज एवं अन्य असमाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखकर लगातार कार्यवाही की जा रही है इसी कड़ी में बुधवार को अवैध शराब बिक्री की सूचना पर आरोपी गैंदलाल साहू पिता स्व. रामनाथ साहू उम्र- 60 साल निवासी जनकपुर ओपी चिचोला जिला राजनांदगांव को ग्राम मुदमुंदा से पिपरिया रोड पुल के पास अवैध रूप से शराब बिक्री करते हुये पकड़ा गया तथा उसके कब्जे से 19 पौवा 20-20 डिलक्स व्हीस्की अंग्रेजी शराब जप्त किया गया। मामले में आरोपी के विरूद्ध धारा- 34(1) (क)(ख) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया है।

दो तस्करों से 10 किलोग्राम से ज्यादा गांजा जब्त

धमतरी(विश्व परिवार)। धमतरी पुलिस थाना केरेगांव एवं सायबर टेक्निकल टीम द्वारा बस में बैठकर अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी कर रहे दो अन्तर्राज्यीय गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है तथा उनके पास से 1,06,500 रुपये कीमत का 10 किलो 650 ग्राम गांजा जब्त किया गया है। मामले में आरोपियों के विरुद्ध धारा 20 (बी) नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। मिली जानकारी के अनुसार धमतरी पुलिस से थाना केरेगांव को मुखबिर से सूचना मिली कि नगरी तरफ से डीआरडी बस में दो व्यक्ति सवार होकर अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा परिवहन करते धमतरी की ओर जा रहे कि सूचना पर थाना प्रभारी एवं स्टॉफ के ग्राम कुकरेल के बस स्टैंड में बस रोककर दो संदिग्ध बैठे व्यक्तियों को बस से नीचे उतारकर पूछताछ कर अवैध मादक पदार्थ गांजे के साथ विधिवत कार्यवाही करते हुए चंद्रभूषण शुक्ला पिता स्वर्गीय आद्या प्रसाद शुक्ला उम्र 57 वर्ष साकिन भिलगो थाना पड़री जिला मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश) के कब्जे एक मैरुन रंग के पीट्ठू बैग में भूरे रंग प्लास्टिक टेप से पैक किये पैकेट के अंदर भरा 05 किलो 690 ग्राम मादक पदार्थ गांजा एवं आदर्श मोदनवार पिता बंशी लाल मोदनवार उम्र 19 वर्ष साकिन भरपूरा चौराहा,थाना-पड़री जिला मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश) के कब्जे से एक ग्रे रंग के पीट्ठू बैग में भूरे रंग प्लास्टिक टेप से पैक किये पैकेट के अंदर भरा 04 किलो 960 ग्राम मादक पदार्थ गांजा जब्त किया गया है। जब्त गांजे की कुल कीमत 106500 रूपये बताई गई है।

गाड़ियों में रखकर डीजे बजाने पर होगी कार्यवाही

स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, कोर्ट से 100 मीटर क्षेत्र में लाउडस्पीकर बजने पर यंत्रों को किया जायेगा जप्त

प्रेसर हॉर्न एवं मल्टीटोन हॉर्न लगाने पर भी होगी कार्यवाही

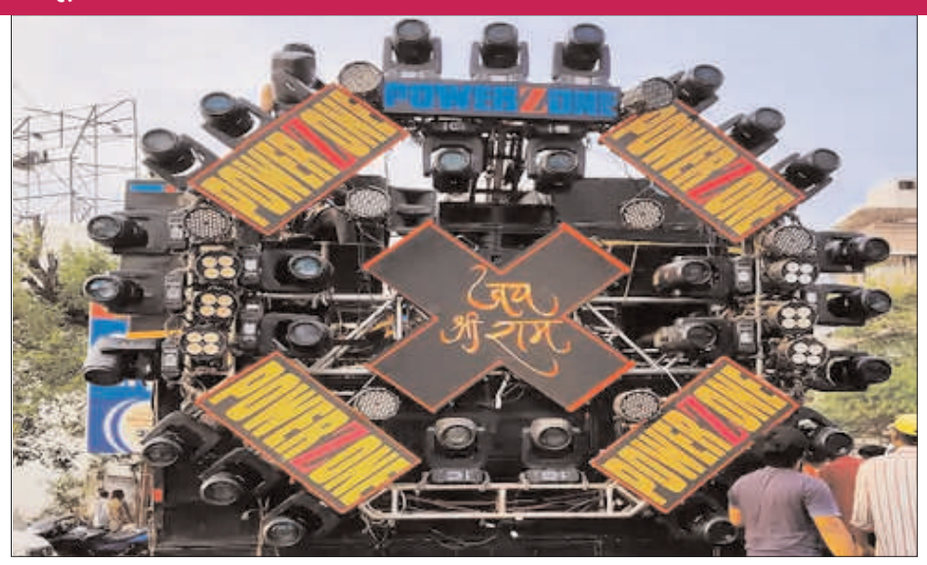

गरियाबंद(विश्व परिवार)। ध्वनि प्रदुषण से आम लोगों को राहत देने राज्य शासन द्वारा ध्वनि प्रदुषण रोकथाम के संबंध में नया निर्देश जारी किये गये हैं।इसके तहत सर्वोच्च एवं उच्च न्यायालय के आदेशों के परिपालन में सकारात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है।जारी निर्देशानुसार किसी भी वाहन में साउंड बॉक्स रखकर डीजे बजाने पर साउंड बॉक्स जप्त कर वाहन का रिकार्ड रखने के निर्देश दिये गये है।जप्त साउंड बॉक्स को कलेक्टर के आदेश के बिना नहीं छोड़ा जायेगा।दूसरी बार पकड़े जाने पर वाहन का परमिट निरस्त किया जायेगा तथा उच्च न्यायालय के बिना उस वाहन को कोई भी नया परमिट जारी नहीं किया जायेगा।कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने शासन द्वारा जारी निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश जिले के सभी एसडीएम,तहसीलदार एवं पुलिस अधिकारियों को दिये है।शासन द्वारा जारी निर्देशानुसार जब भी शादियां,जन्मदिनों,धार्मिक-सामाजिक कार्यक्रमों में निर्धारित मापदण्डों से अधिक ध्वनि प्रदूषण होने पर लोगों की भावना की कद्र करते हुए नम्रतापूर्वक उन्हें माननीय उच्च न्यायालय के आदेश का पालन करने की अपील की जायेगी।अगर आयोजक विरोध करता है तो उसके विरूद्ध कोर्ट में कार्यवाही की जायेगी तथा इसके अतिरिक्त संबंधित अधिकारी आयोजक के विरूद्ध माननीय उच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन करने पर अवमानना का प्रकरण उच्च न्यायालय में दायर करेंगे। परंतु अगर ध्वनि प्रदूषण यंत्र,टेन्ट हाउस,साउण्ड सिस्टम प्रदायकर्ता या डी.जे.वाले का पाया जाता है तो उसे सीधे जप्त किया जावेगा।इसके अलावा वाहनों में प्रेशर हार्न अथवा मल्टी टोन्ड हार्न पाया जाता है तो तत्काल ही उसे वाहन से निकालकर नष्ट किया जायेगा तथा रजिस्टर में जानकारी दर्ज की जायेगी।इस संबंध में वाहन नम्बर के साथ मालिक तथा चालक का डाटा बेस इस रूप में रखा जायेगा कि दोबारा अपराध करने पर वाहन जप्त किया जाये तथा उच्च न्यायालय के आदेश के बिना जप्त वाहनों को नहीं छोड़ा जा सकेगा। स्कूल, कॉलेज, अस्पताल के पास लाउड स्पीकर बजने पर होगी जप्ती की कार्यवाही,,,,स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, कोर्ट,आफिस से 100 मीटर एरियल डिस्टेन्स पर लाउड स्पीकर बजने पर ध्वनि प्रदूषण यंत्रों को जप्त किया जायेगा।बिना मजिस्ट्रेट की अनुमति से प्रदूषण यंत्रों को वापस नहीं किया जावेगा।द्वितीय गलती पर जप्त किये गये प्रदूषण यंत्रों को माननीय उच्च न्यायालय के आदेश बिना वापस नहीं किया जावेगा।

शराबमुक्त गाँव पूरे देश और छत्तीसगढ़ के लिये उदाहरण है डॉ सत्यजीत साहू

गरियाबंद(विश्व परिवार)। ज़िला मुख्यालय से चार किलोमीटर दूर ग्राम कोचबाय में विनोबा भावे जयंती मनाई गई।आयोजित इस बिनोबा भावे जंयती में डॉ सत्यजीत साहू ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि एकता परिषद के कार्यकर्ताओं और ग्रामसभा के साधुवाद दिया जिनके अथक प्रयासों से शराबमुक्त और वनअधिकार दावा मुक्त ग्राम बन पाया।उन्होंने ग्राम वासियों को कहा कि शिव, कृष्ण और श्री राम ने सामाजिक न्याय के लिए जिस संघर्ष का बीज हमारी संस्कृति में बोया है उसको आगे ले जाने के लिए एकता परिषद और उनके सहयोगी कृत संकल्पित हैं।प्रयोग आश्रम छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष सीताराम सोनवानी ने कहा कि विश्व शांति और न्याय के लिये एकता परिषद के संस्थापक पी वी राजगोपाल राजा जी आठ से इक्कीस सितंबर तक कनाडा में पदयात्रा कर रहे हैं।छत्तीसगढ़ के गरियाबंद ज़िले में आज ग्राम कोचबाय में हम सभी उनका समर्थन करते हैं,विश्व शांति यात्रा के समर्थन में सांकेतिक यात्रा अगले हफ़्ते तीन स्थानों से निकल कर गरियाबंद ज़िला मुख्यालय तक आयोजित कि जायेगी।सभा को संबोधित करते हुए एकता परिषद के राष्ट्रीय संयोजक रमेश शर्मा ने ज़िले के ग्रामवासियों को एकता परिषद के पैंतीसवीं वर्षगाँठ को कार्यक्रम में शामिल होने का न्योता दिया।सभा को उडिसा से आई डाली दीदी , प्रयोग आश्रम के सचिव कृष्ण प्रसाद सिन्हा,कोषाध्यक्ष निर्मला दीदी ने भी संबोधित किया और बिनोबा जयंती की बधाई दी।एकता परिषद के सेवाकार्य की दोस्त और प्योर संस्था की टीम संयोजक सुनील शर्मा,सुरज दुबे और एडवोकेट संतोष ठाकुर ने सराहना की और शोभायात्रा में शामिल हुए।विशेष अतिथि के रूप में एकता परिषद युरोप के मैगी बहन और युरी भाई कार्यक्रम मे शामिल हुए।ग्राम कोचबाय के सरपंच इंद्राणी जगत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया,नूरानी जैन,मंगलु जगत,केसरी सेन, चित्रलेखा दीपी जगत हिरोंदी,जाली ने कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।इस अवसर पर ग्राम वासियों ने शोभायात्रा का आयोजन किया।बच्चों ने नृत्य का प्रदर्शन किया,शोभायात्रा और सभा में बड़ी संख्या में परिक्षेत्र के महिलाओं ने भाग लिया।

जिले में स्थापित जलशक्ति केन्द्रों का विद्यार्थियों ने किया अवलोकन

धमतरी(विश्व परिवार)। कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी के निर्देशानुसार जल एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जिले में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके तहत जहां जल को संरक्षित करने के लिए लोगों को विभिन्न नुक्कड़ नाटक, प्रहसन, रैली, दीवार लेखन इत्यादि के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है, वहीं फसल चक्र परिवर्तन पर भी कार्यशालाएं आयोजित की जा रही है। इसके साथ ही जिले के स्कूल, कॉलेजों में भी विद्यार्थियों द्वारा पेंटिंग, वाद-विवाद, नाटक, नृत्य इत्यादि कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जल संरक्षण संबंधी जनजागरूकता के लिए जल जगार उत्सव के तहत जिले के चारों विकासखण्ड मुख्यालय में जलशक्ति केन्द्र स्थापित किया गया है, जहां विषय विशेषज्ञों के द्वारा जल संरक्षण के तकनीकी की जानकारी बीते 15 अगस्त से लगातार दी जा रही है। इसी कड़ी में जल जगार से संबंधित मॉक ग्रामसभा का आयोजन जिले के सभी हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में किया गया। इसके अलावा प्रत्येक विकासखण्ड के विद्यालयों को जोन में बांटकर जोन स्तरीय मॉक ग्राम सभा का आयोजन किया गया, जहां से चयनित विद्यार्थियों का विकासखण्ड स्तरीय मॉक ग्रामसभा का आयोजन आगामी सप्ताह में किया जाएगा। गौरतलब है कि जिले में स्थापित जल शक्ति केन्द्रों का विभिन्न स्कूलों के 2 हजार 840 विद्यार्थियों ने अवलोकन किया। इनमें नगरी एवं धमतरी विकासखण्ड के 740-740 छात्र-छात्राएं और कुरूद विकासखण्ड के 730 तथा मगरलोड विकासखण्ड के 630 छात्र-छात्राएं शामिल हैं।

जिले में स्थापित जलशक्ति केन्द्रों का विद्यार्थियों ने किया अवलोकन

धमतरी(विश्व परिवार)। कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी के निर्देशानुसार जल एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जिले में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके तहत जहां जल को संरक्षित करने के लिए लोगों को विभिन्न नुक्कड़ नाटक, प्रहसन, रैली, दीवार लेखन इत्यादि के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है, वहीं फसल चक्र परिवर्तन पर भी कार्यशालाएं आयोजित की जा रही है। इसके साथ ही जिले के स्कूल, कॉलेजों में भी विद्यार्थियों द्वारा पेंटिंग, वाद-विवाद, नाटक, नृत्य इत्यादि कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जल संरक्षण संबंधी जनजागरूकता के लिए जल जगार उत्सव के तहत जिले के चारों विकासखण्ड मुख्यालय में जलशक्ति केन्द्र स्थापित किया गया है, जहां विषय विशेषज्ञों के द्वारा जल संरक्षण के तकनीकी की जानकारी बीते 15 अगस्त से लगातार दी जा रही है। इसी कड़ी में जल जगार से संबंधित मॉक ग्रामसभा का आयोजन जिले के सभी हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में किया गया। इसके अलावा प्रत्येक विकासखण्ड के विद्यालयों को जोन में बांटकर जोन स्तरीय मॉक ग्राम सभा का आयोजन किया गया, जहां से चयनित विद्यार्थियों का विकासखण्ड स्तरीय मॉक ग्रामसभा का आयोजन आगामी सप्ताह में किया जाएगा। गौरतलब है कि जिले में स्थापित जल शक्ति केन्द्रों का विभिन्न स्कूलों के 2 हजार 840 विद्यार्थियों ने अवलोकन किया।

कुएमारी एरिया कमेटी के चार इनामी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

कांकेर(विश्व परिवार)। जिले में नक्सलियों की सबसे पुरानी एरिया कमेटी कुएमारी एरिया कमेटी के 4 इनामी नक्सलियों ने पुलिस के सामने सरेंडर किया है। नक्सल विरोधी गतिविधियों और पुलिस के बढ़ते दबाव से नक्सलियों के शीर्ष नेतृत्व में बौखलाहट है। जिसके चलते अपने ही साथियों को परेशान कर रहे हैं। नक्सलियों के खात्मे को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 2026 तक का समय तय किया है। दरअसल लगातार नक्सल विरोधी कार्यवाही के चलते नक्सली अपने ही साथियों को परेशान करने लगे है। जिससे आहत होकर अब नक्सलियों के सरेंडर का दौर शुरू हो गया है। नक्सलियों की सबसे पुरानी एरिया कमेटी माने जाने वाली कुएमारी एरिया कमेटी के 4 इनामी नक्सलियों ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया है। जिसमें दो 5-5 लाख और दो 1 लाख के इनामी नक्सली शामिल है। आत्म समर्पण करने वाली नक्सली सुर्जन्ना उर्फ सिताया कोर्राम 2007 से नक्सल संगठन में सक्रिय थी। जो की कई बड़ी नक्सल वारदात में शामिल थी। 2010 में नारायणपुर में हुई मुठभेड़ में 27 जवान शहीद हुए थे। इस पर 5 लाख का इनाम घोषित था। इसके अलावा नरेश पुनेम भी कई बड़ी वारदात में शामिल रहा है, जिस पर भी लाख का इनाम घोषित था। इसके अलावा सागर हिडको और अंजू शोरी ने भी समर्पण किया है।ये सभी कुएमरी एरिया कमेटी में सक्रिय थे। पुलिस अधीक्षक कल्याण एलिसेला ने बताया की कुएमारी एरिया कमेटी खात्में की ओर है। इस कमेटी में सिर्फ 9 नक्सली ही बचे थे। जिसमें से 4 ने समर्पण के दिया है। इसके पहले भी कई नक्सली मारे जा चुके है या समर्पण कर चुके है। ऐसे में अब सिर्फ 5 नक्सली इस कमेटी में बचे है। नक्सलियों की ये सबसे पुरानी कमेटी खात्मे की ओर है।

विधानसभा अध्यक्ष ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

बाढ़ प्रभावित जनसामान्य के लिए तत्काल भोजन, पेयजल सहित अन्य व्यवस्था करने के दिए निर्देश

फसल एवं आवास सहित अन्य क्षति का होगा सर्वे

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। विधानसभा अध्यक्ष राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम धामनसरा पहुंचकर बाढ़ प्रभावित जनसामान्य से मिले और उनकी समस्याएं सुनी। इसके बाद उन्होंने ग्राम हल्दी और भंवरमरा पहुंचकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया तथा बाढ़ प्रभावितों से मुलाकात की। उन्होंने ग्राम संगदई पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अधिकारियों को बाढ़ प्रभावितों की सहायता के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित जनसामान्य के लिए तत्काल भोजन, पेयजल सहित अन्य व्यवस्था करने के निर्देश दिए। पानी का बहाव कम हो जाने के बाद राजस्व विभाग के अधिकारी फसल एवं आवास सहित अन्य क्षति का सर्वे करें, ताकि बाढ़ प्रभावितों को राहत मिल सकें। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि बाढ़ आपदा पीड़ाजनक है। जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम एवं अन्य सभी मिलकर तत्परता से इस आपदा से निपटने के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में रणनीति यह होगी कि एनीकट को बेहतर तरीके से रेग्यूलेट किया जाए। भादो के समय में अत्यधिक वर्षा हुई है। शिवनाथ नदी एवं अन्य नदियों के किनारे बाढ़ आपदा एवं क्षति के रूप में आई है। जिले में धामनसरा, जंगलेशर, मोहड़, हल्दी, सिंगदई, बांकल सहित अन्य ग्रामों में अत्यधिक वर्षा के कारण बाढ़ की स्थिति बनी है। जिससे नुकसान हुआ है और फसल की क्षति हुई है। फसल पानी में डूबा है और कच्चे मकान में पानी चला गया है। सड़कों का नुकसान हुआ है तथा फल एवं सब्जी उत्पादकों को भी क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि एनीकट के गेट को रेग्युलेट किया जाए। बारिश में जैसे ही बांध खुलता है, उसके साथ इसे भी खोला जाये और बंद किया जाए। इस दौरान रमेश पटेल, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक श्री मोहित गर्ग सहित अन्य अधिकारी व ग्रामवासी उपस्थित थे।

जिला प्रशासन एवं यूनिसेफद्वारा युवोदय कार्यक्रम की पहल

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। जिला प्रशासन एवं यूनिसेफ द्वारा युवोदय कार्यक्रम की सामुदायिक पहल की जा रही है। इसका मूल प्रयोजन सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाना है। इस कार्यक्रम से समाज के प्रभावशाली लोगों, उत्प्रेरकों और अन्य व्यक्तियों के लिए मंच तैयार करना है। जनभागीदारी को मूल मंत्र मानकर युवोदय कार्यक्रम के माध्यम से पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य, बाल सुरक्षा, पर्यावरण जैसे विषयों से संबंधित उचित व्यवहारों के बारे में लोगों को जागरूक करना एवं समुदाय में व्यवहार परिवर्तन करने हेतु प्रेरित करना है। इस पहल द्वारा जिले के युवाओं और समुदाय के लोगों से आगे बढने और स्वयंसेवा की भावना से कार्यक्रम का समर्थन करने का आह्वान किया गया है। युवोदय पूर्णत: जातिगत भेदभाव एवं राजनीति मुक्त व धर्मनिरपेक्ष विचारों का मंच है। स्वयंसेवा के लिए किसी भी प्रकार का मानदेय नहीं दिया जाएगा। स्वयंसेवकों को उत्कृष्ट कार्यों के लिए समय-समय पर जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया जाएगा। युवोदय कार्यक्रम से जुडने और स्वयंसेवक बनने के लिए कृपया लिंक के माध्यम से अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

व्यापार समाचार

पीएलआई ऑटो स्कीम से देश में पैदा हुए 30,000 से ज्यादा रोजगार के अवसर : केंद्र

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) ऑटो स्कीम की मदद से इस साल मार्च तक देश में 30,000 से ज्यादा रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। केंद्रीय भारी उद्योग इंडस्ट्री मंत्री एचडी कुमारस्वामी के मुताबिक, पीएलआई ऑटो स्कीम में 74,850 करोड़ रुपये का निवेश आया है और इसमें से 17,896 करोड़ रुपये का निवेश आ चुका है। राष्ट्रीय राजधानी में हुए सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) के एक इवेंट में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ऑटोमोबाइल, ऑटो इंडस्ट्री और एडवांस सेल केमिस्ट्री सेक्टर की वृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है। कुमारस्वामी ने कहा कि मंत्रालय की ओर से घरेलू ऑटोमोबाइल उद्योग को टिकाऊ उन्नत तकनीकों आदि को बढ़ावा देने के लिए 2,938 करोड़ रुपये का समर्थन दिया जा रहा है। केंद्र सरकार की ओर से ईवी सेक्टर के लिए लाई गई पीएलई स्कीम के तहत 74 कंपनियों से आवेदन मिले हैं। इसमें से 50 को मूंजरी दे दी गई है और 24 आवेदन को रिव्यू के लिए रखा गया है। पीएलआई स्कीम के तहत ऑटो कंपनियां सरकार से वार्षिक सेल्स के आंकड़े पर 13 से 15 प्रतिशत की सब्सिडी ले सकती हैं। इससे कंपनियों को बिक्री बढ़ाने में मदद और नई टेक्नोलॉजी में निवेश के कारण उच्च लागत को भी कम करने में मदद मिल रही है। सरकार की ओर से ऑटो सेक्टर को बढ़ाने के लिए कई बड़ी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इसमें 18,100 करोड़ रुपये की एंडवास केमेस्ट्री सेल (एसीसी) स्कीम है। 778 करोड़ रुपये की इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रमोशन स्कीम (ईएमपीएस) और वैश्विक ईवी कंपनियों को आकर्षित करने के लिए लाई गई एसएमईसी पहल है, जिसमें कंपनियों को कम से कम 4,150 करोड़ रुपये का निवेश करना होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार दो साल की अवधि में प्रोत्साहन के साथ फेम 3 के लिए 11,500 करोड़ रुपये के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। इस योजना में इलेक्ट्रिक बसों, तिपहिया और दोपहिया वाहनों के लिए प्रोत्साहन होने की संभावना है।

रीग्रीन-एक्सेल ईपीसी इंडिया लिमिटेड ने सेबी के समक्ष दाखिल किया ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी)

रायपुर। रीग्रीन-एक्सेल ईपीसी इंडिया लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। रीग्रीन-एक्सेल ईपीसी को 31 मार्च, 2024 तक भारत में इथेनॉल संयंत्रों (डिस्टिलरी, चीनी और सह उत्पादन, जैव ईंधन, जीरो लिक्विड डिस्चार्ज सिस्टम और नवीकरणीय ऊर्जा) से संबन्धित अग्रणी कंपनियों में सबसे नई निर्माता कंपनी और आपूर्तिकर्ता के तौर पर पहचाना जाता है (स्रोत: एफएंडएस रिपोर्ट)। कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम में 3,500 मिलियन रुपये तक का नया निर्गम और प्रमोटर सेलिंग शेयरधारकों द्वारा 11,450,380 इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल शामिल है। ऑफर फॉर सेल में संजय श्रीनिवासराव देसाई द्वारा 3,944,020 इक्विटी शेयर, तुषार वेदु पाटिल द्वारा 1,501,272 इक्विटी शेयर, अलीमुद्दीन अमीनुद्दीन सैय्यद द्वारा 1,501,272 इक्विटी शेयर, किरण सुधाकर गवली द्वारा 1,501,272 इक्विटी शेयर, रोकेश लुइस मस्कारेनहास द्वारा 1,501,272 इक्विटी शेयर और सागर सतीश राउत द्वारा 1,501,272 इक्विटी शेयर शामिल हैं (सामूहिक रूप से प्रमोटर सेलिंग शेयरधारक)। कंपनी नए निर्गम से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कंपनी की पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं को पूरा करने, कंपनी द्वारा लिए गए कुछ उधारों का पूर्ण या आंशिक पुनर्भुगतान/पूर्व भुगतान, बैंक गारंटी प्राप्त करने के उद्देश्य से मार्जिन मनी आवश्यकताओं को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करने का प्रस्ताव करती है।

स्टार हेल्थ और पॉलिसीबाजार ने लॉन्च किया 'सुपर स्टार': एक मॉड्यूलर लॉन्ग-टर्म हेल्थ इंश्योरेंस प्लान

रायपुर। स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (स्टार हेल्थ इंश्योरेंस) और पॉलिसीबाजार ने आज 'सुपर स्टार' लॉन्च की घोषणा की है। यह एक पर्सनलाइज्ड दीर्घकालिक हेल्थ इंश्योरेंस योजना है, जो ग्राहक-केंद्रित है। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक ग्राहक मूल्य प्रदान करना है। यह गेम चेंजर उत्पाद पॉलिसीधारकों की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है. यह आपको बेजोड़ लचीलापन और अनुकूलन प्रदान करता है। यह इंडिविजुअल और परिवार के लिए 5 साल की लंबी अवधि की पॉलिसी है। सुपर स्टार इंश्योरेंस प्लान मॉड्यूलर कवरेज प्रदान करके स्वास्थ्य बीमा परिदृश्य में एक आदर्श बदलाव लाता है, जो जिन्दगी के विभिन्न चरणों में ग्राहकों की जरूरतों के अनुकूल होता है। सुपर स्टार एक डिजिटल-ओनली उत्पाद है जो पॉलिसीबाजार वेबसाइट और स्टार हेल्थ के ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध है। प्रोडक्ट लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, पीबी फिनटेक के जॉइंट ग्रुप के सीईओ, श्री सरबवीर सिंह ने कहा, स्वास्थ्य सेवा की लागत बढ़ने के साथ, लचीले, व्यापक स्वास्थ्य बीमा की आवश्यकता पहले कभी इतनी महत्वपूर्ण नहीं रही थी। सुपर स्टार ग्राहकों को उनके साथ बढ़ने वाले कवरेज को चुनने की अनुमति देकर उस मांग को पूरा करता है, जिससे यह उद्योग का गेम चेंजर बन जाता है।ॉ हम स्टार हेल्थ इंश्योरेंस के साथ साझेदारी करके रोमांचित हैं, ताकि यह मॉड्यूलर स्वास्थ्य बीमा समाधान लाखों भारतीय परिवारों को उपलब्ध कराया जा सके. इससे यह सुनिश्चित हो सके कि उन्हें जीवन के हर चरण में वित्तीय सुरक्षा मिले। स्टार हेल्थ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ श्री आनंद रॉय ने कहा, ्रस्टार हेल्थ इंश्योरेंस में, हम पॉलिसीबाज़ार के साथ साझेदारी करके सुपर स्टार पेश कर के खुश है। यह भारत की उभरती ज़रूरतों के लिए एक परिवर्तनकारी स्वास्थ्य बीमा समाधान है। अत्याधुनिक तकनीक और गहन क्षेत्रीय अंतर्दृष्टि से प्रेरित, सुपर स्टार अद्वितीय लचीलापन प्रदान करता है, जो व्यक्तियों को जीवन के हर महत्वपूर्ण चरण में अपने कवरेज को अनुकूलित करने के लिए सशक्त बनाता है।

मेगा ऑक्शन में पंजाब किंग्स के तीन खिलाड़ियों को मिल सकती है मोटी रकम

नई दिल्ली(एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के मेगा के लिए सभी टीमों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है. इस नीलामी से पहले सभी टीमों को अपने रिलीज और रिटेन करने वाली खिलाड़ियों की लिस्ट जारी करनी होगी. आईपीएल 2025 में कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं. आईपीएल नियमों से लेकर खिलाड़ियों तक कई चीजें बदली जा सकती हैं. इस मेगा ऑक्शन में ज्यादातर टीमों के सभी खिलाड़ियों की बोली लगने वाली है, क्योंकि सभी फ्रेंचाइजी 4 की जगह अब 6 खिलाड़ियों को ही रिटेन कर सकती हैं. हालांकि अभी तक इसको लेकर कोई अधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है. पंजाब किंग्स आईपीएल 2025 में कई बदलाव के साथ नजर आएगी. इस टीम में 3 ऐसे विदेशी खिलाड़ी हैं जिनको आईपीएल नीलामी में बड़ी रकम हासिल हो सकती है. चलिए जानते हैं कि ये आखिर खिलाड़ी कौन है? पंजाब किंग्स सिर्फ एक विदेशी खिलाड़ी को रिटेन कर सकती है वो सैम करन हो सकते हैं. ऐसे में इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन ऑक्शन का हिस्सा बन सकते हैं. अगर ऐसा होता है तो उन्हें ऑक्शन में मोटी रकम मिल सकती है. इंग्लैंड के स्टार ओपनर जॉनी बेरिस्टो ने पिछले सीजन पंजाब किंग्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया था. आईपीएल 2024 में उनके बल्ले से शतक भी देखने को मिला था, लेकिन पंजाब की टीम उन्हें रिलीज कर सकती है. अगर ऐसा होता है तो आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में उनपर करोड़ों की बोली लग सकती है. जिम्बाब्वे के स्टार ऑलराउंडर सिकंदर रजा अपनी काबीलियत कई बार साबित कर चुके हैं. अगर आगामी सीजन के लिए पंजाब किंग्स उन्हें रिटेन नहीं करती है तो वह ऑक्शन के लिए उपलब्ध होंगे. ऐसे में आईपीएल ऑक्शन में इस ऑलराउंडर को बड़ी रकम मिल सकती है.

सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने एक ओवर में बनाए 30 रन

ऑस्ट्रेलिया की पहले टी20 मैच में इंग्लैंड पर दमदार जीत

साउथम्प्टन(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने 23 गेंदों पर 59 रनों की पारी के दौरान सैम करन के एक ओवर में 30 रन बटोरे। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को पहले टी20 मैच में 28 रन से हरा दिया। बुधवार को खेले गए तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गेंदबाजी चुनी। हेड ने ऑस्ट्रेलिया की पारी के पांचवें ओवर में करन की गेंद पर तीन चौके और तीन छक्के जड़े, जिससे आस्ट्रेलिया ने 179 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में मेजबान टीम 151 रनों पर सिमट गई। हेड ने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया और पावरप्ले में 50 रन बना लिए। उन्होंने मैथ्यू शॉर्ट (41) के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए तेजी से 86 रन जोड़े। मैच में एक समय ऑस्ट्रेलिया 200 से अधिक का स्कोर बनाने की राह पर तेजी से बढ़ रहा था, लेकिन लियाम लिविंगस्टोन (3-22) ने मेहमान टीम को 179 रन तक सीमित कर दिया। अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड (2/32) ने नई गेंद से ऑस्ट्रेलिया के लिए अच्छी गेंदबाजी की। एडम जम्पा (2/20) और सीन एबॉट (3/28) ने भी इंग्लिश टीम पर दबाव बनाया और उन्हें लक्ष्य से बहुत दूर रखा। इस जीत से ऑस्ट्रेलिया को तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त मिल गई है। अगला मैच शुक्रवार को कार्डिफ में होगा। हेड ने करन के खिलाफ जो 30 रन बनाए, उन्होंने एक टी20 अंतरराष्ट्रीय ओवर में सर्वाधिक रन बनाने का आस्ट्रेलियाई पुरुष रिकार्ड बना लिया।

विश्व कप ट्रॉफी का मिशेल मार्श ने किया था अपमान

अब स्कॉटलैंड ने ऑस्ट्रेलिया को पकड़ाया झुनझुना, उड़ा मजाक

नईदिल्ली(एजेंसी)। हाल में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम स्कॉटलैंड के दौरे पर थी. इस दौरे पर ऑस्ट्रेलिया को 3 टी 20 मैच खेलना था. ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़ी टीम को होस्ट कर रही स्कॉटलैंड के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का यह एक बड़ा अवसर था. स्कॉटलैंड ने सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को कड़ी टक्कर दी लेकिन उसे तीनो ही मैचो में हार का सामना करना पड़ा. स्कॉटलैंड को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस सीरीज में 3-0 से हार का सामना करना पड़ा. पहले टी 20 में ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड को 7 विकेट से हराया था. दूसरे टी 20 को ऑस्ट्रेलिया ने 70 रन से जीता था. तीसरे टी 20 में ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड को 6 विकेट से हराकर सीरीज 3-0 से जीती थी. सीरीज 3-0 से जीतनेके बाद ऑस्ट्रेलिया को उम्मीद थी कि उसे चमचमाती ट्रॉफी मिलेगी लेकिन हुआ ठीक इसका उल्टा. तीसरे टी 20 की समाप्ती के बाद स्कॉटलैंड क्रिकेट की तरफ से ट्रॉफी के रुप में ऑस्ट्रेलिया को एक कटोरी नुमा आकृति का कप दिया गया. इसे लेते हुए ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिशेल मार्श काफी मुस्कुरा रहे थे. वे ये समझ नही पा रहे थे कि इसे पकड़े कैसे. उस समय स्थिति और हास्यास्पद हो गई खिलाड़ी समझ नहीं पा रहे थे कि उस ट्रॉफी को कैसे उठाएं. ट्रॉफी को आगे रखकर जिस तरह खिलाड़ी सामूहिक तस्वीर खिंचवाते हैं वो नहीं हो पाया. खिलाड़ियों को कप हाथ में लेकर फोटो खिंचानी पड़ी. बता दें कि वनडे विश्व कप 2023 का खिताब जीतने के बाद मिशेल मार्श ने विश्व कप ट्रॉफी का अनादर किया था. मार्श की एक तस्वीर वायरल हुई थी जिसमें वे कप पर पैर रखे हुए थे.

क्रिकेट इतिहास का इकलौता बल्लेबाज क्रिस गेल

नईदिल्ली(एजेंसी)। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भी बल्लेबाज के लिए शतक लगाना बड़ी उपलब्धि मानी जाती है. सचिन तेंदुलकर ने जहां शतकों का शतक लगाया है. वहीं विराट कोहली, डेविड वॉर्नर, रोहित शर्मा, जो रुट जैसे बल्लेबाजों ने भी शतकों का रिकॉर्ड बनाया है लेकिन इन सभी बल्लेबाजों के नाम टी 20 में शतक, वनडे में दोहरा शतक और टेस्ट में तिहरा शतक का रिकॉर्ड नहीं है. ये रिकॉर्ड बाएं हाथ के एक विध्वंसक बल्लेबाज के नाम है. टी 20 में शतक, वनडे में दोहरा शतक और टेस्ट में तिहरा शतक लगाने वाले दुनिया के एकमात्र बल्लेबाज हैं क्रिस गेल।

कार्यालय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,
जगदलपुर, जिला बस्तर (छ.ग.)
Email id.-cmhobastar@gmail.com /Telephone No. 07782-222281

//द्वितीय खुली निविदा आमंत्रण सूचना//

क्रमांक/निविदा/2024-25/4832 जगदलपुर, दिनांक 12/09/2024

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला-बस्तर, जगदलपुर अंतर्गत निम्नानुसार निविदायें आमंत्रित की जाती है :-

➢ **कार्यालयीन उपयोग हेतु दैनिक व मासिक आधार पर चिकित्सा अधिकारी/नोडल अधिकारियों के लिये चार पहिया वाहन प्रदायगी बाबत्।** (फर्म एवं कार्यस्थल नगर पालिक निगम जगदलपुर शहरी क्षेत्र में स्थापित हो को प्राथमिकता)

निविदा हेतु आवश्यक शर्ते वेबसाईट www.bastar.gov.in में देखा जा सकता है । निविदा प्रपत्र कार्यालय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जगदलपुर, जिला-बस्तर (छ.ग.) से कार्यालयीन दिवस पर प्रातः 11.00 से संध्या 4.00 बजे तक राशि रूपये 1000/- (एक हजार रूपये मात्र) निविदा प्रपत्र मूल्य का डिमांड ड्रफ्ट/बैंकर्स चेक जो कि नॉन रिफंडेबल है, जमा कर प्राप्त किये जा सकते हैं। डी.डी./बैंकर्स चेक District Health Society, Bastar, Payable at Jagdalpur के नाम से देय हो स्वीकार किये जावेंगे।

निविदा प्रपत्र बिकी की अंतिम तिथि : 30 सितम्बर 2024, सायं 4.00 बजे तक
मुहरबंद निविदा पंजीकृत डाक एवं स्पीड पोस्ट,
कुरियर द्वारा कार्यालय को प्राप्त होने की अंतिम तिथि : 04 अक्टूबर 2024, अपरान्ह 3.00 बजे तक
निविदा खोले जाने की तिथि : 04 अक्टूबर 2024को अपरान्ह 4.00 बजे

G-242502506/1

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,
जगदलपुर, जिला-बस्तर (छ.ग.)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (वि./ यां.) संभाग जगदलपुर (छ.ग.)
संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक 5197/व.ले.लि./NIT-02 / 2024-25/ जगदलपुर, दिनांक 12/09/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ₹प्रपत्र-ए₹ में प्रतिशत दर पर निम्नलिखित कार्यों हेतु मैन्यूअल निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 23/09/2024 अपरान्ह 5:30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि -: 03/10/2024 अपरान्ह 5:30 बजे तक
निविदा खोलने की अंतिम तिथि :- 04/10/2024 पूर्वान्ह 11:30 बजे से

निविदा क्रमांक	कार्य का नाम प्रथम आमंत्रण	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रू.में)	कार्य की अवधि
T003	सामूदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मर्दापाल जिला कोण्डागांव में 82.5 के.व्ही.ए. का डी.जी. सेट प्रदान, स्थापना कार्य Make -1. Cummins, 2. Kirloskar 3. Greaves Power, प्रथम आमंत्रण	16.00	02 माह

निविदा संबंधी शर्ते विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अन्तर्गत निवदि प्रपत्र में उपलब्ध है इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

जी- 242502503/1

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (वि./ यां.) संभाग
जगदलपुर (छ०ग०)

कार्यालय अधीक्षण अभियता,
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 2 (छत्तीसगढ़)
ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना
(प्रथम आमंत्रण)

दिनांक 10.09.2024

निम्नांकित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा ₹डी₹ श्रेणी एवं अधिक श्रेणी के ठेकेदारों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 30.09.2024 है।

एन.आई.टी क्र / निविदा क्रं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3
NIT NO. 369 Tender No. 158457	बलौदाबाजार उपसंभाग अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में विशेष मरम्मत एवं लघुमूल गौण कार्य।	रु. 40.00 लाख
NIT NO. 370 Tender No. 158458	भाटापारा उपसंभाग अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में विशेष मरम्मत एवं लघुमूल गौण कार्य।	रू. 30.00 लाख
NIT NO. 371 Tender No. 158459	बिलाईगढ़ अनुविभाग अंतर्गत विभिन्न मार्गों एवं पुल पुलियां का विशेष मरम्मत कार्य ।	रू. 35.00 लाख
NIT NO. 372 Tender No. 158460	व्यवहार न्यायालय नगरी में न्यायिक अधिकारी के लिये 1 नग एफ टाईप शासकीय आवासगृह का निर्माण कार्य।	रू. 36.06 लाख
NIT NO. 373 Tender No. 158461	जिला बलौदाबाजार अनुविभाग अंतर्गत आर.टी.ओ. कार्यालय भवन बलौदाबाजार का निर्माण कार्य विद्युतीकरण एवं बी.टी. पहुँच मार्ग का निर्माण कार्य सहित ।	रू. 168.91 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट बेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है। (राशि रू. 100.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पर निर्धारित प्रपत्र में शपथ-पत्र एवं न्यूनतम राशि रू. 10.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम पर एनेक्जर-3 का शपथ पत्र बिडकेपेसीटी उपलब्धता बाबत जानकारी एवं अन्य जानकारी एनआईटी के 2.10 में संलग्न संशोधित प्रपत्रानुसार प्रस्तुत करें।)

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

Credible Chhattisgarh
विश्वसनीय छत्तीसगढ़

जी- 242502436/1

अधीक्षण अभियंता,
लो.नि.वि., रायपुर मण्डल क्र. 2 (छ.ग.)
आपकी थी चाह हमने बनाई राह

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शनिवार 14 सितंबर 2024

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 21 सितंबर को

रायपुर (विसं)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला एवं सत्र न्यायालय में तृतीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन 21 सितंबर 2024 को किया जाना है। इस बार भी नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरण निराकरण करने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायपुर के अध्यक्ष, जिला न्यायाधीश श्री अब्दुल जाहिद कुरैशी द्वारा नियमित रूप से समस्त विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक ली जा रही है तथा सूक्ष्मता के साथ लोक अदालत की तैयारी पर निगरानी रखी जा रही है।

जिस प्रकार वाहन मे ब्रेक जरूरी उसी प्रकार जीवन में संयम जरूरी

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री चंद्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर समिति शंकर नगर के श्री विपुल जैन व सुधांशु जैन ने बताया कि पर्युषण पर्व के छठवें दिवस उत्तम संयम धर्म, सुगंध दशमी के पावन अवसर पर श्री चंद्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर शंकर नगर मे पाण्डुकशीला पर भगवान 1008 श्री शान्तिनाथ जी को विराजमान कर प्रथम कलश, ईष्टे मनोरथ कलश एवं बीजाक्षरों के मन्त्रों द्वारा शांतिधारा करने का सौभाग्य श्री राजकुमार जी राशु, जीनाश बड़जात्या एवं अरविन्द, अजय, अभय, आरव पहाड़िया परिवार को प्राप्त हुआ, श्रीजी की आरती के पश्चात जबलपुर से आमंत्रित अतिथि विदुषी दीदी स्नेहलता जी द्वारा बारह भावना पर स्वाध्याय हुआ तथा आज के धर्म उत्तम संयम पर प्रवचन मे बताया गया की सामान्य रूप से संयम का अर्थ नियंत्रण (कंट्रोल)के रूप मे लिया जा सकता है, जो जीवन के किसी भी क्षेत्र के लिए हो सकता है, जिस प्रकार वाहन चलाते समय ब्रेक रूपी संयम जरुरी है वर्ना जीवन खतरे मे आ सकता है, उसी प्रकार साधारण जीवन मे अपने वाणी, व्यवहार, खानपान व अन्य सभी क्रियाओ मे संयम रखे तो जीवन को ऐतिहासिक रूप दिया जा सकता है, जैन धर्म के अनुसार संयम का अर्थ प्राणी रक्षण एवं इन्द्रियों का दमन करना ही संयम है, मानव अपने इन्द्रियों स्पर्शन,रसना, घ्राण, नेत्र, कर्ण इन पांच से भी ज्यादा महत्वपूर्ण मन है, व्यक्ति इन पांच इन्द्रियों से जितना पापों का संग्रह नहीं करता उससे ज्यादा मन के द्वारा पाप संचित करता है, अत: मानव उत्तम संयम धर्म को अंगीकार कर अपने लौकिक व पार लौकिक जीवन को कल्याण मार्ग मे प्रशस्त कर सकता है और इस मानव जीवन को सफल बना सकता है, आज सम्पूर्ण दिगम्बर जैन मंदिरों मे सुगंध दशमी के पावन अवसर पर जिनालयों मे 1008 भगवान शीतलनाथ जी की पूजा कर अग्नि मे धूप दशांग की आहुति देकर अपने अष्ट कर्मों की निर्जरा की जाती है।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि मंडल ने राज्यपाल रमेन डेका से की मुलाकात

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि मंडल के रूप में कुलपति- प्रो. एस. के. सिंह, कुलसचिव- डॉ. सौरभ कुमार शर्मा एवं मुख्य जनसंपर्क अधिकारी- श्री राजेश तिवारी ने छत्तीसगढ़ राज्य के माननीय राज्यपाल श्री रमेन डेका जी से की मुलाकात, जिसमे माननीय राज्यपाल ने यूनिवर्सिटी में 21 सितम्बर 2024 को होने वाले तृतीय दीक्षांत समारोह में शिरकत करने की दी सहमति7 दीक्षांत समारोह में 18 गोल्ड मैडल, 55 पी.एच.डी. स्कोलर्स सहित 1440 विद्यार्थियों को प्रदान की जायेगी उपाधि।

विश्वकर्मा जयंती के दिन एनएमडीसी, बचेली के खनन क्षेत्र में बाहरी व्यक्तिओं एवं वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित

बचेली (विश्व परिवार)। दंतेवाड़ा जिला में इस वर्ष औसत से ज्यादा वर्षा दर्ज की गई है। भारी बारीश के कारण बैलाडीला क्षेत्र में सड़कों, नालों इत्यादि का बहुत नुकसान हुआ है। भारी बारिश के कारण जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है तथा आम लोगों को विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ा है। एनएमडीसी का खनन क्षेत्र भी इससे अछूता नही रहा है। एनएमडीसी के बचेली खनन क्षेत्र में भी भारी बारिश के चलते बहुत नुकसान हुआ है। जगह-जगह लैंड स्लाइड के चलते खनन क्षेत्र में सड़क मार्ग अवरूद्ध हुआ है। अभी भी बहुत सी जगहों पर चट्टान एवं मिट्टी के ढीला होने के कारण अभी भी लैंड स्लाइड होने का खतरा बना हुआ है। इसके अतिरिक्त भारी धुंध के कारण भी खनन क्षेत्र में खतरा बना हुआ है। अभी भी इस क्षेत्र में बारिश की संभावना बनी हुई है।

इन खतरों को मद्देनजर रखते हुये आम नागरिकों की सुरक्षा हेतु विश्वकर्मा जयंती (17.09.2024) के दिन एनएमडीसी, बचेली के खनन क्षेत्र में बाहरी व्यक्तिओं एवं वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। इस संबंध में जिला प्रशासन ने भी एक आदेश जारी किया है। आम नागरिकों से अपील की जाती है कि इस संबंध में प्रशासन द्वारा जारी किए गए आदेश के पालन हेतु अपेक्षित सहयोग प्रदान करें।

सांसद बृजमोहन ने नमो इंपैक्ट कॉफी टेबिल बुक का किया विमोचन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियां दुनियाभर में सराही जाती हैं : बृजमोहन अग्रवाल

नई दिल्ली/रायपुर (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की दस वर्षों की नीतियों पर आधारित नमो इंपैक्ट कॉफी टेबिल बुक का विमोचन इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में संपन्न हुआ। नमो इंपैक्ट कॉफी टेबल बुक के अंग्रेजी संस्करण के लोकार्पण के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, आज सारी दुनिया नरेंद्र मोदी सरकार की विकास और लोक कल्याणकारी नीतियों की प्रशंसा कर रही है, मोदी सरकार में देश का लगातार कायाकल्प हो रहा है।

लेखक अतुल सिंघल ने कहा कि वह विगत दस वर्षों से नरेन्द्र मोदी सरकार की जन कल्याणकारी नीतियों को लेकर विशेषज्ञों के साथ उनका विश्लेषण कर रहे थे। उनकी इस कार्यक्रम को काफी सराहा गया। जिसके बाद उन्होंने इसे कॉफी टेबिल बुक का रुप दिया। उन्होंने कहा कि नमो इम्पेक्ट कॉफी टेबिल बुक की हिंदी संस्करण की प्रति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को भेंट की जा चुकी है जिसकी उन्होंने भूरि-भूरि प्रशंसा की है।

कार्यक्रम में केंद्रीय आवास और शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू, भाजपा सह राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, असम और नागालैंड के पूर्व राज्यपाल प्रोफेसर जगदीश मुखी, दिल्ली बीजेपी के वरिष्ठ नेता विजय जौली, दिल्ली सरकार के पूर्व संसदीय सचिव डॉक्टर नंद किशोर गर्ग, सुप्रसिध्द समाजसेवी विनीत लोहिया, नमो इम्पेक्ट टीवी के चैयरमैन जगदीश राय गोयल, प्रोफेसर सुरेश चंद सिंघल समेत तमाम गणमान्यजन उपस्थित रहे।

पॉवर कंपनी में एई की विभागीय भर्ती परीक्षा 15 को, 41 एई की होगी विभागीय भर्ती

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में असिस्टेंट इंजीनियर ट्रेनी (सहायक अभियंता-प्रशिक्षु) के 41 पदों पर सीमित विभागीय भर्ती परीक्षा 15 सितंबर को होगी। अभ्यर्थी अपना बुलावा पत्र छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी लिमिटेड की अधिकारिक विभागीय वेबसाइट ऊर्जानेट से डाउनलोड कर सकते हैं।

यह परीक्षा दोपहर 4 बजे से शाम 6 बजे तक दिशा कालेज ऑफ हायर सेकंडरी स्टर्डीज दिशा पार्क बिल्डिंग नंबर 03 भूतल रामनगर कोटा रायपुर में आयोजित होगी। इसके लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यालय मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) से निर्देश जारी कर दिया गया है।

मुख्य अभियंता श्री ए.के. अंबस्ट ने बताया कि पारेषण एवं वितरण कंपनी के अंतर्गत कनिष्ठ अभियंता के नियमित पद पर कार्यरत कार्मिकों की सहायक अभियंता- प्रशिक्षु (पारेषण में 08 एवं वितरण में 33) के कुल 41 पदों पर सीमित विभागीय परीक्षा ली जा रही है। जिसमें 120 अभ्यर्थी शामिल होंगे। यह परीक्षा दो घंटे की होगी, जिसमें 100 अंक के सौ बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जिसमें 80 प्रश्न विषय से संबंधित होंगे तथा 20 प्रश्न सामान्य ज्ञान से संबंधित पूछे जाएंगे।

इस परीक्षा के लिए 73 अभ्यर्थी परीक्षा के लिए तय मापदंड, अर्हता एवं योग्यता पूरी कर रहे हैं, एवं 47 अन्य अभ्यर्थी शैक्षणिक अर्हता तो पूरी कर रहे हैं, किन्तु पांच साल का अनुभव नहीं है, इसलिए उन्हें परीक्षा में नहीं बैठने दिया जा रहा था, परन्तु हाईकोर्ट बिलासपुर ने इन अभ्यर्थियों की दायर याचिका में उन्हें अंतरिम राहत दी है और उन्हें विभागीय परीक्षा में बैठने की अनुमति दी है, परन्तु उनके परीक्षा परिणाम एवं चयन तब तक नहीं करने के निर्देश दिये हैं, जब तक माननीय न्यायालय द्वारा अंतिम आदेश पारित न किया जाए। इसके अतिरिक्त माननीय न्यायालय द्वारा उन सभी याचिकाओं की अंतिम सुनवाई सितंबर महीने के अंतिम सप्ताह में करने हेतु निर्देशित किया गया है।

अनोपचंद तिलोकचंद ज्वेलर्स कोतवाली में श्रीमती शुभम् बरडिया ने नो योर डायमंड सेमिनार/वर्कशॉप वी के लिये प्रस्तुत किया

रायपुर (विश्व परिवार)। आज अनोपचंद तिलोकचंद ज्वेलर्स कोतवाली में श्रीमती शुभम् बरडिया ने नो योर डायमंड सेमिनार/वर्कशॉप वी (woman entrust) के लिये प्रस्तुत किया।

श्रीमती शुभम् बरडिया जो की इंटरनेशनल सर्टिफाइड गेमोलॉजिस्ट डायमंड ग्रेडर प्रोफेशनल ज्वेलरी डिजाइनर ज्वेलरी मैन्युफैक्चर इन्होंने इजीआई जीआईए गीआईआई जैसी संस्थानो से सर्टिफिकेट्स ग्रहण किया है। जिसकी संस्था यूएसए मुंबई सूरत में स्थापित है। इस सेमिनार में डायमंड के फोर सीस ऑफ़ डायमंड के अलावा अन्य फोर सीस ऑफ़ डायमंड के बारे में बताया जिसके बारे में बहुत कम लोगो को ज्ञात होता है। सही जानकारी के अभाव के कारण ग्राहक सही डायमंड ख़रीदने से वंचित या ठगा जाता है। इस वर्कशॉप का उद्देश्य सही डायमंड की परख हो सके और सही डायमंड ख़रीदा जा सके साथ ही साथ इस वर्कशॉप में ज्वेलरी के रख रखाव के बारे में भी बताया गया।

at ज्वेलर्स की शुभम् बरडिया के द्वारा रायपुर में पहली बार औरा यंत्र के द्वारा व्यक्ति के आभामण्डल के अनुसार उसे किस राशि रतन का धारण करना चाहिए तथा उसके व्यज्ञानिक तरीके से चयन कराया गया इस तरह की यह पहली वर्कशॉप रायपुर में देखी गई। वी (woman entrust) के सभी मेंबर्स ने इस वर्कशॉप की काफी प्रशंसा की जिसमे वी की संस्थापक सानिया, अदिती के साथ साथ at ज्वेलर्स के श्रीमती मंजुलता बरडिया, श्रीमती अंकिता बरडिया तथा अन्य वी के सक्रिय सदस्य उपस्थित थे।

एक फोन पर हो रहा समस्या का समाधान, बिजली तार को घर के सामने से हटाया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन में एक फोन कॉल पर समस्या का समाधान हो रहा है। मोवा के लोहिया नगर क्षेत्र निवासी श्री एनके साहू ने घर के सामने से बिजली तार हटवाने की शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि उनके पडोसी ने नया बिजली कनेक्शन लिया है। जिसकी केबल उनके घर के सामने से गया था। जिसको लेकर उन्होंने कलेक्टोरेट के जनसमस्या निवारण कॉल सेंटर में फोन किया और जहां से उनकी समस्याओं का निराकरण करने के लिए संबंधित विभाग को जानकारी दी गयी। जिसके संबंधित विभाग के अधिकारियों ने बिजली केबल को उनके घर के सामने से हटा दिया है। जिसकी जानकारी श्री साहू की दी गई।

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति द्वारा बड़े मंदिर जी में सोलहकारण भावनाओं पर विशेष परिचर्चा का हुआ आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति के तत्वाधान में आज श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर मालवीय रोड में सोलहकारण भावनाओं के ऊपर विशेष आयोजन किया गया।

इस आयोजन में श्री दिगंबर जैन महिला महा समिति की ओर से श्रीमती रेखा रमेश जैन,जया जैन, संध्या जैन, मेघना जैन,मंजू मोदी,सुनीता नायक, विद्या जैन,सौम्या जैन, मीता जैन, अलका जैन,रश्मि जैन, ममता अनीता जैन, शिखा जैन, अमिता संघी आदि ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

महिला समिति का स्वागत मंदिर के मैनेजिंग ट्रस्टी श्री नरेंद्र जैन गुरु कृपा सहित ट्रस्टी श्री भारत भोरावत अध्यक्ष यसवंत जैन सचिन सुजीत जैन उपाध्यक्ष लोकेश जैन कोषाध्यक्ष दिलीप जैन आदि ने किया।

इस अवसर पर सोलह कारण भावनाओं पर ,प्रतिभागियों की सूची इस प्रकार है विनय संपन्नता भावना पर श्रीमती सुमन जैन ने, अरिहंत भक्ति भावना पर डॉली जैन ने,अभीक्षण ज्ञानोपयोग भावना पर मंजुला जैन ने,साधु समाधि भावना पर श्रद्धा जैन गुरुकृपा,शक्ति तस्त्याग भावना पर अमिता संघी, संवेग भावना पर अहाना जैन,दर्शन विशुद्धि भावना पर सुनीता जैन,साधु समाधि भावना पर-हर्षिल जैन, दर्शन विशुद्धि भावना पर ही अनीता जैन ने, मार्ग प्रभावना भावना पर लोकेश जैन ने, अरिहंत भक्ति भावना पर ही ज्योति जैन, शीलव्रतेसुनतिचार भावन पर लक्ष्य जैन, वात्सल्य भावना पर विनीता जैन ने, वैयावृत्ति भावना पर प्रिया जैन ने अपने विचार रखे।

धर्म की बागडोर संभालने में महिलाओं का विशेष योगदान- ब्रह्मचारी संदीप सरल जी

धर्म की बागडोर संभालने में महिलाओं का विशेष योगदान- ब्रह्मचारी संदीप सरल जी : बीना श्रुतधाम से पधारे बाल ब्रह्मचारी संदीप सरल भैया जी ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा कि धर्म के संरक्षण एवं संवर्धन में महिलाओं का विशेष योगदान रहता है उन्होंने महिलाओं की शूरवीरता पर उदाहरण देते हुए बताया कि एक पति-पत्नी बहुत बड़े आर्थिक संकट से जूझ रहे थे नौबत यहां तक आ गई थी कि पति ने तो आत्महत्या करने का विचार ही बना लिया था परंतु उसकी धर्मपत्नी ने उससे अभिलाषा की मुझे जैन तीर्थों की वंदना पर ले चलो जिसके लिए उसकी पत्नी ने अपने कीमती आभूषण भी बेच दिए एवं उससे हुए धन अर्जन वे तीर्थ यात्रा को निकले उन्होंने एक के बाद एक कई तीर्थों की वंदना की जहां एक तीर्थ पर किसी ने उन्हें बीना स्थित श्रुतधाम का नाम बताया कि एक बार वहां के दर्शन करने अवश्य जाएं, उस व्यक्ति की प्रेरणा से वह दंपति बीना श्रुतधाम पहुंचे जहां भैया जी की प्रेरणा से उन्होंने बड़े बाबा आदिनाथ स्वामी के दर्शन पूजन शांति धारा आदि की वहां का चमत्कार से इतना प्रभाव पड़ा कि उस व्यक्ति के मुख से स्वयं ही निकल पड़ा अब मैं आत्महत्या नहीं करूंगा यह मेरा नियम है और उस प्रभाव से जो रिश्तेदार बुरे समय में उस दंपत्ति को नकार रहे थे उनके की एक रिश्तेदार का उन्हें फोन आया कि आपको कहीं भटकने की आवश्यकता नहीं है आप मेरे पास आगे रहो मैं आपका जीवन भर पालन पोषण करूंगा आप क्यों चिंता करते हो मैं हूं ना, तो भैया जी ने बताया कि एक महिला के संकल्प ने एक समाप्त होते हुए परिवार को कैसे जीवित कर दिया एवं सबके सामने वीरता का एक जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया।

उन्होंने श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति की महिलाओं द्वारा आयोजित सोलहकारण भावना परिचर्चा की भी बहुत प्रशंसा की और कहा कि इस तरह के कार्यक्रम समाज को धर्म के प्रति श्रद्धा और जागरुकता की वृद्धि करेंगे।

बिजली सप्लाई सिस्टम में साइबर अटैक के खतरे से निपटने हुई कार्याशाला

क्रिटिकल इंफर्मेशन इंफास्ट्रक्चर विकसित कर रही है पावर कंपनी

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के मुख्यालय में स्थित स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर में ग्रिड आपरेशन पश्चिम क्षेत्रीय साइबर सिक्यूरिटी को-आर्डिनेशन फोरम कार्यशाला हुई, जिसमें साइबर हमले से ग्रिड प्रणाली को बचाने के उपायों पर चर्चा की गई। इसमें विभिन्न राज्यों के लोड डिस्पैच सेंटर के अधिकारियों ने साइबर अटैक को रोकने के लिए अपने यहां किये जा रहे उपायों पर चर्चा की। छत्तीसगढ़ में इस तरह के खतरे से निपटने के लिए क्रिटिकल इंफ्रमेशन इंफ्रास्ट्रक्चर सिस्टम डेवल किया जा रहा है, जिसके तहत साइबर कानूनों का गजट नोटिफिकेशन किया गया है तथा स्काडा सिस्टम, सर्वर और बैकअप लोड डिस्पैच सेंटर तैयार किया गया है।

स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर रायपुर में 12 एवं 13 सितंबर को साइबर सिक्यूरिटी को-आर्डिनेशन फोरम की तीसरी बैठक हुई, जिसका शुभारंभ ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री आरके शुक्ला ने किया। उन्होंने साइबर सिक्युरिटी के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला एवं साइबर सिक्युरिटी से उत्पन्न होने वाले विभिन्न प्रकार की चुनौतियों के प्रति अपनी चिन्ता जाहिर किया और इन चुनौतियों से निपटने के लिये तीन प्रमुख बिन्दुओं परस्पर सहयोग, नवाचार एवं पुर्नप्राप्ति क्षमता पर विशेष जोर देते हुए अपने महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया।

इस कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन भार प्रेषण केन्द्र के कार्यपालक निदेशक एवं मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी श्री कोमल सिंह मनोठिया व्दारा किया गया, उन्होंने कहा कि आज पूरे विश्व में नई तकनीक से वन नेशन, वन ग्रिड से बिजली सप्लाई की जा रही है, ऐसे में पूरा सिस्टम कंप्यूटराइज्ड और आनलाइन रहता है। इसमें विदेशी हैकर साइबर हमला कर देते हैं, जिससे बचने के लिए सुरक्षा और सर्तकता आवश्यक है। यूक्रेन में इस तरह से विद्युत सप्लाई बाधित कर दी गई थी। हमारे यहां साइबर हमले से ग्रिड सुरक्षित रहे, इसके लिए विशेष सावधानी बरती जा रही है। इसके तहत क्रिटिकल इंफरमेशन इंफ्रास्ट्रक्चर सिस्टम तैयार किया गया है। इसके तहत हर साल आईटी और आपरेशन टेक्नालाजी की साइबर आडिट कराने का प्रावधान किया गया है, ताकि हमें समय से पूर्व पता लग सके कि कहां से साइबर अटैक हो सकता है और उसे रोका कैसे जा सकता है।

पश्चिम क्षेत्रीय भार प्रेषण केन्द्र मुम्बई के कार्यपालक निदेशक और फोरम के अध्यक्ष श्री वी बालाजी एवं ग्रिड इंडिया नई दिल्ली के मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी श्री एस बनर्जी ने भी सभा को संबोधित किया। कार्यशाला में एनसीआईआईपीसी मुम्बई के निदेशक श्री ललित कुमार मीणा भी वर्चुवली जुड़े रहे। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ के अतिरिक्त पश्चिम क्षेत्र के विभिन्न घटक राज्यों महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, गोवा, दमन एवं दीव इत्यादि के प्रतिनिधियों सहित छत्तीसगढ़ के तीनों पावर कम्पनियों के प्रतिनिधियों ने प्रमुखता से भाग लिया। कार्यशाला में ग्रिड इंडिया दिल्ली से आये श्री एबी सेनगुप्ता ने आईएसओ 27001/270019 के ऊपर सरल भाषा में विस्तृत व्याख्यान दिया, जिसे काफी सराहा गया। महाराष्ट्र से आये प्रतिनिधि श्री नितीन पाऊनिकर ने साइबर आडिट के कार्यक्षेत्र के विभिन्न पहलुओं पर सारगर्भित प्रकाश डाला। कार्यशाला के दूसरे दिन मध्यप्रदेश से आये प्रतिनिधि श्री राजीव सिन्हा ने रेन्सम रिकव्हरी और इससे बचने के उपायों सहित साइबर सिक्युरिटी से संबंधित चुनौतियों से क्रमबद्ध तरीके से निपटने के उपायों पर जानकारी प्रदान की।

इसके पश्चात् पश्चिम क्षेत्रीय भार प्रेषण केन्द्र मुम्बई के मुख्य महाप्रबंधक श्री महेश मेंहन्दाले ने साइबर घटना प्रतिक्रिया पर संगठित रणनीतिक दृष्टिकोण पुर्नप्राप्ति समय के प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन कार्यपालन अभियंता श्री जीपी सिंह ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में श्री मनोज रावटे एवं श्री केतन मिश्रा का विशेय योगदान रहा।

अपनी इंद्रियों को वश में करना ही संयम धर्म है : श्रीमती स्नेहलता जी जैन

रायपुर (विश्व परिवार)। दसलक्षण पर्व के अवसर पर श्री चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर शंकर नगर में जबलपुर से पधारी विदुषी श्रीमती स्नेहलता जैन ने आज उत्तम संयम धर्म के अवसर पर उद्बोधन देते हुए कहा कि सत्य को अपने जीवन में रखना है तो संयम की चिमनी लगा लेना, संयम धारण करने से भव भव के कर्म कट जाएंगे। हमें पांचों इंद्रियों को अपने वश में करना है आज से हमे ये प्रयास करेंगे, यदि हम जिस दिन उपवास करते हैं तो उसका यह नहीं कि उस दिन हमें आराम करना है उस दिन जितना बन सके उतना धर्म ध्यान, मौन साधना आदि करना चाहिए क्योंकि उपवास ही है जो हमें आत्मा के पास लेकर आता है, हमें अपनी आत्मा का बोध होना चाहिए यदि हमारा हर समय चिंतवन आत्मा से बारे में रहेगा तो वह हमें कोई भी गलत कार्य करने नहीं देगा।

उन्होंने भगवान महावीर का उदहारण देते हुए बताया कि जब भगवान महावीर पूर्व भव में शेर की पर्याय में थे तो उन्होंने एक मुनिराज से रात्रि भोजन के त्याग का नियम लिया उन्होंने उस संयम को अपने जीवन में धारण किया वह शेर जैसी ही नीचे गुफा में जल ग्रहण करने गया तो उसने दिखा कि यहां तो रात है और रात्रि में उसका भोजन का त्याग था तो उसमें जलपान करने का त्याग किया परंतु अपने संयम को न छोड़ा यह होती है धर्म पर अटूट आस्था एवं श्रद्धा जिसके परिणाम स्वरुप वो शेर अगली पर्याय में देव बना तत्पश्चात भविष्य में भगवान महावीर स्वामी बने। यह है संयम की परिभाषा।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354